वर्ष 24, अंक 316, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 23 मई 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

विकसित भारत बनाने के लिए आज देश में चल रहा बहुत बड़ा महायज्ञ...

राजस्थान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर में 103 अमृत भारत स्टेशनों का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज मैं करणी माता से आशीर्वाद लेकर आपके बीच आया हूं। उनकी कृपा से विकसित भारत बनाने का हमारा संकल्प और भी मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए आज देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का बहुत बड़ा महायज्ञ चल रहा है। हमारे देश की सड़कें, एयरपोर्ट, रेल और रेलवे स्टेशन आधुनिक हो, इसके लिए पिछले 11 साल में अभूतपूर्व गति से काम किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर के इन कामों पर देश पहले जितना पैसा खर्च करता था, आज उससे 6 गुना ज्यादा पैसा

खर्च कर रहा है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत में हो रहे इन विकास कार्यों को देखकर दुनिया भी हैरान है। आज भारत अपनी ट्रेनों के नेटवर्क को भी आधुनिक कर रहा है। ये वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेन देश की नई गति और नई प्रगति को दशार्ती हैं। उन्होंने कहा कि अभी देश में करीब 70 रूट पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही है। इससे दूर-सुदूर के इलाकों में भी आधुनिक रेल पहुंची है। बीते 11 साल में सैंकड़ों रोड ओवरब्रिज और रोड अंडरब्रिज का निर्माण किया गया है। 34 हजार किमी से ज्यादा के नए ट्रैक बिछाए गए हैं।

मोदी ने साफ तौर पर कहा कि हम एक साथ देश के 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बना रहे हैं। आधुनिक हो रहे इन रेलवे स्टेशनों को देश ने अमृत भारत स्टेशन का नाम दिया है। आज इनमें से 100 से अधिक अमृत भारत स्टेशन बनकर तैयार हैं। उन्होंने कहा कि 'विकास भी-विरासत भी' मंत्र का इन अमृत भारत रेलवे स्टेशनों पर नजारा साफ-साफ दिखाई देता है। ये स्थानीय कला और संस्कृति के भी नए प्रतीक हैं।

उन्होंने कहा कि अभी थोड़ी देर पहले ही यहां से मुंबई के लिए एक नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई है। आज ही कई इलाकों में स्वास्थ्य, जल और बिजली से जुड़ी योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इन सारे प्रयासों का लक्ष्य है कि हमारे राजस्थान के शहर और गांव तेजी से उन्नति की ओर बढ़ सकें। यहां के युवाओं को उनके शहर में ही अच्छे अवसर मिल सकें।

राजस्थान के औद्योगिक विकास के लिए भी डबल इंजन सरकार तेजी से काम कर रही है। अलग-अलग सेक्टर के लिए यहां भजनलाल जी की सरकार ने नई औद्योगिक नीतियां जारी की हैं। बीकानेर को भी इन नई नीतियों का लाभ मिलेगा।

'पाकिस्तान को कहो- आतंकवाद का समर्थन बंद करे', भारत की- जायसवाल

नई दिल्ली : भारत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किए को भारत ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि वो पाकिस्तान से कहे कि आतंकवाद का समर्थन करना बंद कर दे. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार (22 मई, 2025) को कहा कि भारत उम्मीद करता है कि तुर्किए पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद को समर्थन बंद करने और आतंकवादी तंत्र के खिलाफ कार्रवाई करने का दृढ़तापूर्वक आग्रह करेगा.

उन्होंने कहा, "हम उम्मीद करते हैं

कि तुर्की पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन बंद करने और दशकों से उसकी ओर से पोषित आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ विश्वसनीय और सत्यापन योग्य कार्रवाई करने का पुरजोर आग्रह करेगा." उन्होंने कहा, "संबंध एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर बनाए जाते हैं."

'किसी तीसरे देश की इमें जरूरत नहीं'

ट्रंप की टिप्पणी पर रणधीर जायसवाल कहा, "मैंने अपनी पिछली बातचीत में भी कह दिया था कि भारत पाकिस्तान के बीच केवल आपस में ही इस विषय में बात होगी. किसी तीसरे देश की इसमें जरुरत नहीं है. मगर बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चलने वाला. जम्मू कश्मीर के किसी भी मुद्दे पर हम किसी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं लेने वाले."

'पाकिस्तान को वापस करना होगा पीओके'

उन्होंने आगे कहा, "जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है. जैसा कि आप जानते हैं, लंबित मामला केवल पाकिस्तान की ओर से अवैध रूप से कब्जा किए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है. पाकिस्तान से केवल ढडङ को खाली करने के मुद्दे पर बात होगी और उसको यह खाली करना होगा." इसके साथ ही सिंधु जल संधि के निलंबित किए जाने को लेकर उन्होंने कहा, सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी।

किश्तवाड़ एनकाउंटर में एक जवान शहीद, दो आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रू इलाके में गुरुवार को आतंकवादियों के साथ चल रही मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया। संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान, जिसका कोडनेम ऑपरेशन त्राशी है, अभी चल रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, गोलीबारी में जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और बेहतरीन चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसकी मौत हो गई। भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने घने जंगल वाले

इलाके में आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षा बलों ने अतिरिक्त जवानों को तैनात किया है और इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

सलमान खान की सुरक्षा में एक बार फिर चूक, एक्टर की बिल्डिंग में घुसी महिला

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की सुरक्षा में एक बार फिर से सेंध लगी है। हाल ही की एक घटना में 32 वर्षीय ईशा छाबड़ा नामक एक महिला सलमान के घर के लिफ्ट एरिया में घुस गई। हालांकि, इससे पहले कि वह एक्टर के मुख्य रेसिडेंशियल एरिया में पहुंच पाती, गुरुवार को मुंबई के बांद्रा इलाके में खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में सुरक्षा वाहन ने उसे रोक लिया।

गैलेक्सी अपार्टमेंट के सुरक्षा गार्डों ने महिला को पकड़ लिया और उसे बांद्रा पुलिस को सौंप दिया। सुरक्षा गार्ड की शिकायत के आधार पर बांद्रा पुलिस ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और मामले की आगे की जांच कर रही है।

यह घटना जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की धमकियों के कारण एक्टर के इर्द-गिर्द कड़ी सुरक्षा के बीच हुई है। सलमान, बिश्नोई के रडार पर हैं, जो 1990 के दशक में सुपरस्टार द्वारा कथित तौर पर काले हिरण के शिकार का बदला लेना चाहता है।

सुनवाई पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली :

सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को तीन प्रमुख मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की अगुवाई वाली पीठ ने सभी पक्षों की ओर से तीन दिनों की मैराथन बहस के बाद सुनवाई पूरी की। केंद्र ने अधिनियम का दृढ़ता से बचाव करते हुए तर्क दिया कि वक्फ स्वाभाविक रूप से एक "धर्मनिरपेक्ष अवधारणा" है और इसलिए इस पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए, उन्होंने "संवैधानिकता की धारणा" का हवाला दिया जो कानून का

समर्थन करती है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अगुवाई वाली पीठ को अवगत कराया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मुसलमानों को संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित करने से रोकने का प्रावधान एक सुरक्षात्मक उपाय था। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे सुरक्षा उपायों के अभाव में, कोई भी मुतवल्ली (वक्फ संपत्ति का प्रबंधक) की भूमिका निभा सकता है और संभावित रूप से व्यक्तिगत लाभ के लिए वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग कर सकता है। विधि अधिकारी ने आगे बताया कि कई आदिवासी संगठनों ने 2025 अधिनियम के समर्थन में याचिकाएँ दायर की हैं। इससे पहले, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कानून पर अंतरिम रोक लगाने की मांग करते हुए तर्क दिया।

आंध्र प्रदेश में अनोखी पहल, ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के लिए किया जाएगा स्थानीय थिएटरों का उपयोग

आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश सरकार ने अपनी तरह की पहली पहल करते हुए ग्रामीण नागरिकों से सीधे जुड़ने और उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए सार्वजनिक थिएटरों का उपयोग एक मंच के रूप में करना शुरू कर दिया है। राज्य के पंचायत राज और ग्रामीण विकास विभाग ने विकास प्रयासों में ग्रामीणों को शामिल करने और उनकी चिंताओं को सीधे सुनने के उद्देश्य से विशेष आउटरीच कार्यक्रम, माता-मंथी शुरू किया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में श्रीकाकुलम जिले के तेक्काली निर्वाचन क्षेत्र के रविवालासा गांव के निवासियों को आज तेक्काली में एक स्थानीय थिएटर में आमंत्रित किया गया था। कैंप ऑफिस से, आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए निवासियों से बातचीत की और उनके सुझावों और विकास संबंधी जरूरतों को सुना। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा सकता था, उन्हें उपस्थित अधिकारियों के साथ समन्वय कर-के हल किया गया तथा मौके पर ही आवश्यक मंजूरी दी गई। जिन मुद्दों के लिए अधिक समय की आवश्यकता थी, उन्हें कार्यान्वयन के लिए निर्धारित समय-सीमा के साथ संबंधित विभागों को भेज दिया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि मैं उस उत्साह और स्पष्टता से बहुत प्रभावित हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर समाप्त नहीं हुआ, जयशंकर बोले

आतंकी हमला जारी रहा तो पाकिस्तान को भुगतने होंगे परिणाम- जयशंकर

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नीदरलैंड की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान कहा कि यदि सीमा पार से आतंकवादी हमले जारी रहे तो पाकिस्तान को परिणाम भुगतने होंगे। एएनाई ते अनुसार विदेश मंत्री जयशंकर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले का जिक्र किया और कहा कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व के विचार कट्टर धार्मिक हैं। उन्होंने कहा कि हम आतंकवाद का निश्चित अंत चाहते हैं। इसलिए हमारा संदेश हैः हां, युद्ध विराम ने फिलहाल एक-दूसरे के खिलाफ सैन्य कार्रवाइयों को समाप्त कर दिया है, लेकिन अगर पाकिस्तान से आतंकवादी हमले जारी

रहे, तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। पाकिस्तानियों को यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए।

विदेश मंत्री जयशंकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह नीदरलैंड में थे, जिन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए सैन्य आदान-प्रदान के कारण अपनी नियोजित राजकीय यात्रा रद्द कर दी थी। इस यात्रा में आर्थिक सहयोग और आतंकवाद-रोधी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया, साथ ही इस साल के अंत में पीएम मोदी की पुनर्निर्धारित यात्रा के लिए तैयारी संबंधी चचाएँ भी की गईं। चर्चा किए गए द्विपक्षीय मुद्दों में पाकिस्तान को डच हथियारों की आपूर्ति शामिल थी, जिसे पहले भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मार्च में डच रक्षा मंत्री रूबेन ब्रेकेलमैन्स के साथ दिल्ली में उठाया था। जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत भविष्य में पहलगाम जैसे किसी भी आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान में आतंकवादियों पर फिर से हमला करेगा। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त नहीं हुआ है। नीदरलैंड के प्रसारक ह्यएनओएसह्न को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि सरकार इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है कि यदि ऐसा कोई हमला होता है, तो जवाब दिया जाएगा।ह्व जयशंकर नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी के दौरे के तहत नीदरलैंड के हेग शहर में थे। उन्होंने कहा, यह अभियान जारी है क्योंकि इसमें एक स्पष्ट संदेश है - कि अगर 22 अप्रैल जैसी हरकतें फिर होती हैं तो इनका जवाब दिया जाएगा।

सीमा पार से की गई गोलाबारी में मारे गए नागरिकों के परिवारों से मिलेंगे राहुल

नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार (24 मई) को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले का दौरा कर सकते हैं। पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी में मारे गए नागरिकों के परिवारों से मिलेंगे। इसके अलावा हाल ही में इस क्षेत्र में तेज हवाएँ और तूफान आए थे, जिससे स्कूलों और अन्य इमारतों को काफी नुकसान पहुँचा था। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पुंछ के लोग 21 मई को आए तूफान के बाद की स्थिति से जूझ रहे हैं। सरकारी स्कूलों समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। हाल ही में

पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से की गई गोलाबारी से भी यह जिला प्रभावित हुआ है। इससे पहले, भारतीय सेना ने तूफान प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता के लिए कदम बढ़ाया। नियंत्रण रेखा (एलओसी) के करीब स्थित स्कूलों, खासकर गगरियन और सावजियन गांवों में, को गंभीर संरचनात्मक क्षति हुई।

केंद्र के इस कदम का भगवंत मान ने किया विरोध

पंजाब के हिस्से का पानी चुराने नहीं देंगे

पंजाब

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को नंगल बांध की सुरक्षा के लिए 296 सीआईएसएफ कर्मियों की टुकड़ी तैनात करने के केंद्र के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सुरक्षा के लिए पंजाब पुलिस पहले से ही वहां मौजूद है। केंद्र सरकार के इस कदम पर सवाल उठाते हुए मान ने पूछा कि जब पंजाब पुलिस पहले से ही बांध पर सुरक्षा मुहैया करा रही है तो सीआईएसएफ कर्मियों को तैनात करने की क्या जरूरत थी। उन्होंने सीआईएसएफ की तैनाती को अनावश्यक और राज्य के लिए वित्तीय बोझ बताया।

संगरूर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह शनिवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे। संघीय ढांचे में केंद्र के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के महत्व को स्वीकार करते हुए मान ने कहा, "मैं अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश करूंगा लेकिन अगर केंद्र हमारी मांगों से सहमत नहीं होता है, तो हम पंजाबी हैं, हम इसका डटकर मुकाबला करेंगे।"

केंद्र ने पंजाब और हरियाणा के बीच बांध के पानी के बंटवारे को लेकर चल रहे गतिरोध के बीच

नंगल बांध को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 296 केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों की एक टुकड़ी को मंजूरी दी है। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) को सीआईएसएफ के पक्ष में 8,58,69,600 रुपये की सुरक्षा राशि जमा करने के लिए कहा गया है, जिसकी गणना प्रति कर्मचारी 2,90,100 रुपये के हिसाब से की गई है।

मान ने कहा कि वे कहते हैं कि या तो बीबीएमबी या पंजाब यह पैसा देगा। जब पंजाब पुलिस पहले से ही बांध की मुफ्त सुरक्षा कर रही थी, तो इसकी क्या जरूरत थी? हमें पैसे क्यों देने चाहिए? उन्होंने कहा कि मैं इस कदम का कड़ा विरोध करूंगा। हम न तो बीबीएमबी के माध्यम से और न ही पंजाब सरकार के सरकारी खजाने से पैसे दिए जाने देंगे।

सुरक्षा घेरा लगाने के केंद्र के इरादे पर सवाल उठाते हुए मान ने पूछा कि क्या वह पंजाब के हिस्से का पानी चुराना चाहता है। उन्होंने कहा, "हम ऐसा नहीं होने देंगे।" मान ने पंजाब भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ सहित भाजपा नेताओं से भी पूछा कि क्या केंद्र का हालिया कदम उनकी मंजूरी से आया है। मुख्यमंत्री ने पूछा कि केंद्र को यह फैसला वापस लेना चाहिए।

रुपए मांगने पर हुई कहासुनी के बाद दबंगों ने लाठी डंडे से युवक को पीटा

● पुलिस में दी गई शिकायत ● मामला दो समुदायों का होने के कारण ग्रामीणों में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

लालापुर। गुरूवार को सुबह लालापुर थाना क्षेत्र के अमिलिया गांव में रूपए को लेकर हुई कहासुनी में पक्ष ने युवक को अपशब्दों का प्रयोग करते हुए जमकर मारपीट की। पीड़ित ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी बारा कुंजलता मौके पर पहुंची और जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

लालापुर थाना क्षेत्र के मझियारी गांव निवासी शुभम शुक्ल पुत्र स्व0 अवधेश शुक्ल पिछले वर्ष क्षेत्र के ही अमिलिया गांव निवासी शकील अहमद उर्फ मोनू जो कि हार्डवेयर का काम करता है। उसे दरवाजा बनाने के लिए तीस हजार रूपए नकद दिए थे। दरवाजा मिल पाता कि तभी बकरीद पर किसी मामले को लेकर हुए विवाद में मोनू जेल चला गया था। कुछ दिन बाद जब मोनू जेल से वापस लौटा तो शुभम ने दरवाजे के लिए कहा जिस पर मोनू ने कहा बाद में आना अभी सामान नहीं है। लगातार मामले को टालता जा रहा था। गुरूवार को सुबह जब शुभम अपने भाई अमन के साथ अहमद उर्फ मोनू के घर जाकर दरवाजा देने को कहा तो उसने मना कर दिया। जिसके बाद शुभम ने पैसे मांगे तो शकील अहमद ने अपशब्दों का प्रयोग किया और विरोध करने पर मारपीट करने लगा। मारपीट देख समुदाय विशेष के दर्जन भर युवक लाठी डण्डे लेकर दौड़े और बुरी तरह से पीटने लगे। उसी समय वहां से गुजर रहे पिंटू शुक्ल पुत्र धुन्नु ने देखा तो मना किया। जिस पर अराजकतत्वों ने उसे भी पीट दिया और धमकी दी कि बकरीद पर पीटा था कुछ नहीं कर पाए दोबारा मार खाने आ गए। पीड़ित शुभम शुक्ला ने थाने में लिखित शिकायती पत्र देकर मारपीट सहित मोबाइल व नकदी रूपए लूटने का आरोप लगाया है। जिस पर पुलिस ने अहमद उर्फ मोनू को नामजद करते हुए दर्जन भर अज्ञात लोगों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर घायल शुभम, अमन व पिंटू को मेडिकल के लिए भेजा है।

लाठी डंडे से युवक की पिटाई करते दबंग

थानाध्यक्ष व ग्रामीणों में हुई नोक झोंक

मामले से आक्रोशित ग्रामीण व हिंदू संगठन के कार्यकताओं ने थाने पहुंच कर पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की तो वहां थानाध्यक्ष अजय मिश्र व ग्रामीणों में मामूली नोकझोंक भी देखने को मिली। हालांकि बाद में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। लेकिन यह देखना होगा कि पूर्व में मोहर्रम में हुई घटना की तरह मामले को निपटाया जाता है या फिर कोई सख्त कदम उठाया जाता है। फिलहाल मामला जो भी हो लेकिन उक्त घटना से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

लालापुर थाना अध्यक्ष ने कहा

मामला संज्ञान में है शिकायती पत्र दिया गया था। शकील अहमद उर्फ मोनू सहित दर्जन भर अज्ञात लोगों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर मोनू को हिरासत में लिया गया है तथा घायलों को मेडिकल के लिए भेजा गया है। **-अजय मिश्रा, थानाध्यक्ष लालापुर।**

एसीपी बारा ने कहा

सूचना मिलने पर मैं मौके पर गई जहां जानकारी मिली कि मझियारी निवासी शुभम ने एक वर्ष पूर्व पैसे दिए थे लेकिन दरवाजा नहीं ले जा रहा था। गुरूवार को वह शकील अंसारी के घर पहुंचा और पैसे की मांग करने लगा। जिस पर शकील ने मना किया तो दोनो पक्षों में गाली गलौज होने लगी। जिस पर शुभम ने गांव के कुछ लोगों को बुलाया गया। जिस पर दोनो पक्षों में मारपीट हुई। प्रकरण में शिकायती पत्र प्राप्त कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। **-कुंज लता, एसीपी बारा।**

इसके पहले मोहर्रम के दिन पेड़ काटने पर भी समुदाय विशेष ने घर में घुसकर की थी मारपीट

योगी सरकार जहां पुलिस को कार्रवाई के लिए लगातार निर्देशित करते हैं तो ऐसे में जनपद के लालापुर थाना क्षेत्र के अमिलिया गांव में समुदाय विशेष द्वारा लगातार की जा रही दबंगई से हिन्दू समुदाय में भय एवं दहशत व्याप्त है। बता दें कि मोहर्रम के दौरान एक पेड़ की डाल काटने पर भी गांव के शकील अहमद उर्फ मोनू सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अवधेश के घर में घुसकर सामूहिक रूप से पीटा था। जिस पर पुलिस द्वारा कोई ठोस कदम न उठाने से एक बार फिर मामला धार्मिक रूप लेता दिख रहा है। जबकि गांव में पीएसी की भी तैनाती है। फिलहाल मामला जो भी हो लेकिन यदि प्रशासन द्वारा गंभीरता दिखाते हुए सख्त कदम नहीं उठाया गया तो किसी दिन कोई बड़ी घटना हो सकती है। जिसे संभालना प्रशासन के लिए भी टेढ़ी खीर साबित हो सकता है।

मेजा के पाठा क्षेत्र में विकराल हुई पेयजल की समस्या बूंद-बूंद पानी को तरसते ग्रामीण

अतुल तिवारी

मेजा। तहसील क्षेत्र के दक्षिणांचल में पेयजल की समस्या विकराल हो गई है। इस भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए लोग सुबह से शाम तक परेशान हैं। मेजा के पाठा क्षेत्र में देखा जाय तो सबसे अधिक समस्या सिलौधी के नई गढ़ी में है, जहां गांव तक सड़क न होने से पानी का टैंकर नहीं पहुंच पा रहा है। गांव की आधी से अधिक आबादी खुद के द्वारा तैयार की गई बावली का पानी निकाल कर पी रहे हैं। गांव के राजेश कुमार पाल ने बताया कि मेजा के दक्षिणांचल के गांव पथरीला इलाका होने से भूजलस्तर काफी नीचे है जिसके कारण सिलौधी कला सहित सलैया कला, सलैया खुर्द, कोहड़ार, मोजरा, पटेहरा, भैइया, सीकी, बसहरा, धोबना आदि के अलावा कई अन्य गांवों में गर्मी के मध्य में पेयजल की समस्या गंभीर हो जाती है। ग्राम वासी सुबह से शाम तक पीने के पानी को लेकर प्रायः परेशान रहते हैं। कुछ लोगों ने निजी धन से बोर करवा रखा है, लेकिन भूजलस्तर काफी नीचे होने से पंप मशीन पानी सही ढंग से नहीं उठा पा रही है। दो दशक पहले गांव में पेयजल व्यवस्था के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर पेयजल योजना स्थापित की गई, लेकिन वर्ष भर पानी की सप्लाई करने के बाद पंप मशीन बंद हो गई। पंप मशीन को जल निगम के इंजीनियर दूसरी जगह उठा ले गए। तब से आज तक जल निगम के इंजीनियर गांव नहीं पहुंचे। योजना पूरी तरह फेल हो गई। गांव के अमर बहादुर पाल ने बताया कि उनके द्वारा पत्थर तोड़कर बनाई गई बावली से गांव की आधी आबादी की प्यास बुझ रही है। इस बावली में पत्थरों से रिसकर पानी भर जाता है, रात भर पानी इकट्ठा होता है, जिसे लोग सुबह भरकर घर ले जाते हैं और अपनी प्यास बुझाते हैं। गौरतलब है कि पेयजल की समस्या सबसे अधिक गर्मी के दिनों में होती है, खुद पीने का पानी नहीं मिल पाता तो पशुओं को कहां से पानी दें, ऐसी दशा में पशुओं को छुट्टा छोड़ दिया जाता है, और पशु दिन भर घूमने फिरने के बाद शाम को लौट कर आते जरूर हैं लेकिन पानी के अभाव में अब तक कई मवेशी भी दम तोड़ चुके हैं।

सिलौधी कला गांव के नई गढ़ी बस्ती सहित दर्जनों गांवों में रहने वाले लोग बावली का पानी पीने को हैं मजबूर, दशकों पूर्व लाखों की स्थापित पेयजल हुई फेल जिम्मेदार अधिकारी दूसरी जगह लगवाए पंप मशीन

भारतीय सेना के पराक्रम ने पाकिस्तान को अच्छा सबक सिखाया : विनोद प्रजापति

सैनिकों के सम्मान में नहवाई में निकाली गई तिरंगा यात्रा

अखंड भारत संदेश

मांडा। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के सम्मान में क्षेत्र के मांडा रोड में तिरंगा यात्रा निकाली गयी। भाजपा कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष दिघिया सुब्बा लाल प्रजापति के द्वारा निकाली गयी तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद प्रजापति तथा पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अशोक सिंह के मौजूदगी में भाजपा कार्यकताओं ने गर्म जोशी के साथ अपने हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता के नारे लगाए। नहवाई बाजार से चिलबिला बाजार के मुख्य सड़कों पर भ्रमण किया। जिसमे मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद प्रजापति ने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम ने पाकिस्तान को अच्छा सबक सिखाया है। मोदी की सरकार में आतंकियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जायेगा. अब आतंकी भारत की ओर देखने से भी डरेंगे. भारत सरकार ने सही समय पर सही फैसला लिया और देश की बहन बेटियों की सिंदूर की लाज बचायी है। इससे पूरे देश की बहन बेटियों में खुशी का माहौल है। कहा कि देश की तरफ आंख दिखाने वालों को मोदी सरकार मुंह तोड़ जवाब देगी। इस मौके पर सुनील प्रजापति, डंपी तिवारी, गर्ग मुनि तिवारी, राकेश तिवारी, अखिलेश सिंह, आशुतोष तिवारी टिंकू, अखिलेश शुक्ला, अंजनी पांडेय, लाल चौबे, विपिन पांडेय, कमला कांत उपाध्याय, सुभाष मिश्रा विजय कांत मिश्रा, मोतीलाल पटेल सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तिरंगा यात्रा में शामिल लोग

प्रेम पाण्डेय ने कभी भी उसूलों से समझौता नहीं किया : डा. दिनेश सोनी

करछना। कांग्रेस जनों ने जिला कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के पूर्व महामंत्री वरिष्ठ अधिवक्ता प्रेम पांडेय की पुण्यतिथि मनाया गई। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष अरुण तिवारी के नेतृत्व में पुण्यतिथि मनाई गई जिसमें जिला का कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष रंगराज सिंह पीसीसी सदस्य डॉक्टर दिनेश कुमार सोनी ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश पांडेय नागेश पाण्डेय पूर्व जिला महासचिव राम छबीले मिश्रा शिव विजय सिंह आशीष कुमार मिश्रा एडवोकेट, विद्याधर मिश्र,सरोज मिश्रा राजधर यादव एडवोकेट रविराज सिंह एडवोकेट राजकुमार पटेल दरोगा विनय कृष्ण पाण्डेय शारदा प्रसाद गुरूचरण अकबाल बहादुर कुशवाहा हेमप्रकाश मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

घर में घुस कर तोड़ फोड़ मार पीट में दस के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के जामहा खास निहाल का पूरा में बांस की कोठ काटने से मना करने पर विपक्षियो ने घर में घुस कर तोड फोड़ किया और लाठी डंडो से मार पीट कर लहुलुहान कर दिया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दस के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मऊआइमा के जाम्हा खास निहालपुर निवासी दिवाकर पटेल पुत्र शिवमूरत का आरोप है कि उसके विपक्षी बांस का कोठ काट रहे थे।जब उनके पिता शिवमूरत रोकने के लिए गए तो हाथों में लाठी डंडा लोहे की राड कुल्हाड़ी लेकर दौडा लाए। दिवाकर पटेल का आरोप है कि विपक्षी घर में घुस जम कर तोड फोड़ किए और उनके पिता शिवमूरत को मार पीट कर लहुलुहान कर दिए।और जान से मारने की धमकी देने लगे जब बीच बचाव में वीरेंद्र कुमार आए तो उन्हें भी मारा पीटा गया। दिवाकर पटेल ने मऊआइमा थाने में कमल चन्द्र उर्फ मंजे, अनिल कुमार, कुलदीप, संदीप, दिलीप, कोमल, विपिन, प्रदीप कुमार, चकिमही देवी, खिदिरही देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

क्षतिग्रस्त इंटरलॉकिंग सड़क की जिलाधिकारी से हुई शिकायत

अखंड भारत संदेश

पसना। कोरांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बभनपट्टी में नवनिर्मित इंटरलॉकिंग सड़क के घटिया निर्माण बाबत गांव के ही सामाजिक कार्यकर्ता पंडित धीरज मिश्रा ने जिलाधिकारी से मिलकर लिखित शिकायत दर्ज कराया है। दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार सरकार के मानक के विपरीत घटिया सामग्री एवं बालू की जगह डस्ट का प्रयोग होने से सड़क बनने के दूसरे दिन से ही टूटना शुरू हो गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उक्त सड़क के निर्माण में ग्रामपंचायत द्वारा सरकारी धन का बंदर बांट किया गया है। गौर तलब है कि इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण ग्राम पंचायत भवन से यादव बस्ती तक किया गया है। जिलाधिकारी महोदय ने शिकायतकर्ता को जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

क्षतिग्रस्त इंटरलाकिंग सड़क

नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में हिंदी विषय की मौखिक परीक्षा संपन्न

मौखिक परीक्षा में शामिल छात्र-छात्राएं

अखंड भारत संदेश

जंघई। नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में गुरुवार को एमए हिंदी फाइनल की मौखिक परीक्षा संपन्न हुई। मौखिक परीक्षा एक ऐसी परीक्षा है जिसमें छात्रों को अपने विषय के ज्ञान का प्रदर्शन करने के लिए परीक्षक द्वारा मौखिक रूप से प्रश्न पूछे जाते हैं। यह परीक्षा छात्रों के विषय ज्ञान और प्रस्तुति कौशल का मूल्यांकन करने के लिए होती है। परीक्षा में छात्रों को अपने विषय के बारे में विस्तार से जानकारी देने और प्रश्नों का उत्तर देने की आवश्यकता होती है। मौखिक परीक्षा में आम तौर पर परीक्षक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष बातचीत शामिल होती है। वाह्य परीक्षक प्रोफेसर विजय कुमार यादव डीएवी कॉलेज आजमगढ़ एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ गणेश दीक्षित, आंतरिक परीक्षक डॉ ज्ञान प्रकाश द्विवेदी द्वारा प्रायोगिक, मौखिक, सामाजिक सर्वेक्षण की परीक्षा असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ ममता यादव, डॉ कुलदीप सोनी, डॉ विकास यादव, डॉ सुनील कुमार के सहयोग से मौखिक परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षक ने छात्र, छात्राओं से संबंधित विषय पर प्रश्न पूंछा, और छात्र, छात्राओं ने उन प्रश्नों का उत्तर दिया। मौखिक परीक्षा की तैयारी के लिए, छात्रों ने अपने विषय के पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से पढ़कर अवधारणाओं को समझा। इसके अलावा, उन्हें अपने उत्तरों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत करने के लिए अभ्यास किया। परीक्षक द्वारा छात्रों के ज्ञान, समझ और आत्मविश्वास का मूल्यांकन करते हुए छात्रों के उत्तरों की सटीकता, स्पष्टता और प्रस्तुति कौशल के आधार पर अंक दिया जाएगा।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, तमंचा व कारतूस बरामद

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने अवैध हथियार रखने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर ग्राम गदामार क्षेत्र से की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अमन सिंह, निवासी खबरा, थाना जनेह, जनपद रीवा (म.प्र.) हाल निवासी पटहट रोड, शंकरगढ़ के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 22 वर्ष है। उसके पास से एक अवैध देशी तमंचा .303 बोर और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।पूछताछ में अमन सिंह ने बताया कि उसने यह तमंचा अपने दोस्तों के बीच वर्चस्व दिखाने के लिए रखा था। वह ग्राम गदामार स्थित प्राइमरी स्कूल के पास अपने दोस्तों को तमंचा दिखाने के लिए बुला रहा था, तभी पुलिस ने उसे धर दबोचा। इस संबंध में थाना शंकरगढ़ में मु0अ0सं0 63/2025, धारा 7/25 आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम मे उपनिरीक्षक कृष्ण कान्त तिवारी, उपनिरीक्षक ऋषभ पटेल. मुख्य आरक्षी महेश सरोज,आरक्षी प्रदीप आदि रहे।

पुलिस गिरफ्त में युवक

जनसाधारण सूचना

मैं अपने ग्राहक आधार हाऊसिंग फाइनेन्स लि0 शाखा कार्यालय प्रथम तल ए0डी0ए0 सेन्टर, नवाब यूसुफ रोड, प्रयागराज (फोन नं0 0532-2560377) की तरफ से सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे ग्राहक श्री गुरू प्रसाद पुत्र मुन्नी लाल भूमिधरी आराजी नं0 845 मि0 स्थित मौजा बालकमऊ, परगना कड़ा, तहसील सिराथू, जिला कौशाम्बी रकबा 117.04 वर्गमीटर को उसके स्वामी श्री पंचम लाल पुत्र मातादीन से क्रय करना चाह रहे हैं। जिसे वह हमारे संस्था में बंधक रखकर ऋण लेना चाहते है। यह कि उक्त आराजी की खतौनी में विक्रेता के नाम के साथ-साथ दशरथ लाल, रघुवर, हनुमान व केशलाल पुत्रगण मातादीन, श्रीमती मुकुली देवी पत्नी दिनेश व अन्य का नाम भी खतौनी में दर्ज है।

यदि सम्बन्धित व्यक्ति/व्यक्तियों, बैंक या वित्तीय संस्था को इस सम्पत्ति के हस्तानान्तरण एवं आधार हाऊसिंग फाइनेन्स लि0 में बंधक रखने में यदि कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन के सात दिन (7 दिन) के अन्दर नीचे दिये गये पते पर सम्पर्क कर अपनी आपत्ति दर्ज कराये अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है एवं इस अवधि के बाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

चौहद्दी

पूरब - 15 फिट चौड़ा रास्ता
पश्चिम - ग्राम पंचायत की भूमि
उत्तर - भूमि दिनेश लाल
दक्षिण - दशरथ का प्लाट

(शैलेन्द्र कुमार दुबे)
एडवोकेट
1501/1 किदवई नगर अल्लापुर, प्रयागराज
मो0नं0: 9120477002

कृतज्ञ राष्ट्र राजीव गांधी जी को भविष्य द्रष्टा के रूप में सदैव याद रखेगा : अरूण तिवारी

अखंड भारत संदेश

करछना। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी करछना में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की 34वीं शहादत दिवस मनाया गया जिसकी अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष अरूण तिवारी जी के नेतृत्व में मनाया गया। अरुण तिवारी ने कहा कि राजीव गांधी एक ऐसे दूरदर्शी नेता थे जिन्होंने भारत को ऐसे तोहफे दिए हैं जो आज हिंदुस्तान के आम जनमानस के लिए वरदान साबित हो रहे हैं स्वर्गीय श्री राजीव जी ने महात्मा गांधी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए उनके ग्राम से स्वराज के सपने को साकार करने के लिए पंचायती राज व्यवस्था इस देश को दी उसका परिणाम यह रहा की समाज के अंतिम पंक्ति में खड़ा हुआ व्यक्ति आज राजनीतिक रूप से अपने को बहुत समृद्ध और शक्तिशाली महसूस कर रहा है। जिससे सामाजिक न्याय की हमारी अवधारणा मजबूत हुई है राजीव जी एक भविष्य द्रष्टा के रूप में हमेशा याद किए जाते रहेंगे उन्होंने यह महसूस किया होगा कि हिंदुस्तान में एक दौर ऐसा भी आएगा जब लोगों के सामने रोजगार और एक ऐसी भी हुकूमत आएगी जो रोजगार पर तो कुठाराघात करेगी ही लोकतांत्रिक मूल्य और संवैधानिक मूल्यों पर भी कुठाराघात करके इस देश को लूटने का काम करेगी उसके बचाव में राजीव जी ने सूचना और प्रौद्योगिकी का जो तोहफा हिंदुस्तान को दिया उसे आज लाखों लाख नौजवानों को रोजगार तो मिल ही रहा है साथ में जब हुकूमत ने वर्तमान हुकूमत ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया को अपने कब्जे में लेकर के और अपनी छवि सुधारने के लिए अपने लूट को छिपाने का काम करने के लिए इस्तेमाल कर रही है ऐसे में सोशल मीडिया का जो हथियार राजीव गांधी की सूचना प्रौद्योगिकी से मिला जिसको हम सोशल मीडिया के नाम से जानते हैं निश्चित रूप से सरकार की कमियां और व्यवस्था के खिलाफ अगर हम खड़े हैं इस सरकार से आंख से आंख मिलाकर के बात कर रहे हैं और सरकार के हर गलत इरादे और हर गलत फैसले का विरोध कर रहे हैं तो उसमें सोशल मीडिया का एक बड़ा योगदान है इसके लिए राजीव जी हमेशा याद किया जा रहे जाते रहेंगे हम कांग्रेस जन संकल्प लेकर राजीव जी के सपनों का भारत बनाने के लिए इस देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था को समृद्ध और शक्तिशाली बनाने के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे भारत को एक रखेंगे मजबूत रखेंगे अखंड रखेंगे। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ पूर्व जिला उपाध्यक्ष रंगराज सिंह डॉ दिनेश सोनी पीसीसी सदस्य आनन्द प्रकाश शुक्ला श्रीकांत मिश्रा पंडित आसाराम मिश्रा नागेश पाण्डेय धर्मेंद्र द्विवेदी अंशु आनंद मिश्रा आशीष कुमार मिश्रा श्याम नारायण चौधरी प्रकाश पांडे विनय कृष्णा पांडे राम छबीला मिश्रा त्रिपुरारी मिश्रा डॉक्टर शीतला प्रसाद पांडे माता अंबर मिश्र राम अनुग्रह मिश्रा दीपक तिवारी दिनेश तिवारी एडवोकेट राजधर यादव एडवोकेट राजकुमार पटेल दरोगा रोशन लाल पटेल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 राजीव गांधी की 34वीं शहादत दिवस पर उपस्थित लोग

बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

हॉस्टल के कमरे में पंखे से लटका मिला शव

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) में बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। हॉस्टल के कमरे में उसका शव छत के पंखे के सहारे लटका मिला। सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई है। फिलहाल कमरे से कोई सुसाइट नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। बीटेक प्रथम वर्ष का छात्र स्वामी विवेकानंद (एसवीबीएच) हॉस्टल में रहता था। मृतक का नाम निकेश कुमार रोहिदास है। निकेश मूल रूप से छत्तीसगढ़ के जिला जाजगीर स्थित गांव ग्राम सेनेरिया का रहने वाला था। बीटेक प्रथम ईयर में सेकेंड सेमेस्टर में पढ़ता था। अब तक की जांच में घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पिछले कुछ माह से वह मेधा हॉस्टल कमरा नंबर 101 में रहता था।

पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, ईडी केस में मिली जमानत

प्रयागराज। सपा के पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए सपा नेता को हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। बाहुबली और प्रदेश के पूर्व मंत्री रहे स्व. हरिशंकर तिवारी के बेटे और चिल्लूपार से पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी को ईडी ने बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया था। उनके साथ अजीत पांडेय की भी गिरफ्तारी हुई थी । बता दे कि

सात अप्रैल को ईडी ने पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी को बैंक लोन हड़पने के मामले में गिरफ्तार किया था। गंगोत्री इंटरप्राइजेज के नाम पर बैंकों के कॉलेजियम से लिए गए 754 करोड़ का लोन हड़पने का मामला बताया गया था। बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट की डबल बेंच ने विनय शंकर तिवारी और अजीत पांडेय को जमानत दे दी।ईडी ने विनय शंकर तिवारी और अजीत पांडेय की गिरफ्तारी के संदर्भ में जानकारी दी थी कि ईडी, लखनऊ जोनल कार्यालय ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत मेसर्स गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड और अन्य के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी मामले में लखनऊ, गोरखपुर, महाराजगंज, नोएडा और मुंबई में 10 स्थानों पर 07-04-2025 को तलाशी अभियान चलाया।

ईडी की ओर से कहा गया था कि तलाशी मेसर्स गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड के अन्य निदेशकों और ठेकेदारों के साथ-साथ पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी के आवासों और कार्यालय परिसरों में भी की गई। तलाशी अभियान के दौरान, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए और 02 व्यक्तियों विनय शंकर तिवारी, कंपनी के मुख्य प्रमोटर और पूर्व विधायक और कंपनी के मुख्य प्रबंधकीय व्यक्ति अजीत पांडेय को पिछले महीने सात अप्रैल को तलाशी परिसर से गिरफ्तार किया गया।

नवागंतुक खंड शिक्षाधिकारी ने उरुवा के परिषदीय विद्यालयों में संचालित समर कैंप का किया निरीक्षण

बीईओ के निरीक्षण के दौरान संविलयन विद्यालय चौकी और सांवलियन विद्यालय निवैया का ताला बंद मिलने पर प्रधानाध्यापकों को लगाई फटकार रोक वेतन

अखंड भारत संदेश

विद्यालय का निरीक्षण करते बीईओ

मेजा। नवागंतुक खंड शिक्षाधिकारी उरुवा वरुण मिश्रा ने गुरुवार को उरुवा ब्लॉक के कई परिषदीय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चल रहे समर कैम्प का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों में ताला बंद मिले। बीईओ उरुवा द्वारा सुबह उच्च प्राथमिक संविलियन विद्यालय चौकी और उच्च प्राथमिक संविलियन विद्यालय निबैया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोंनो विद्यालयों के मेन गेट में ताला बंद मिला। इसके अलावा वहां न ही अनुदेशक और न ही शिक्षामित्र मिले। बीईओ उरुवा ने बताया कि दोनों विद्यालयों में समर कैम्प के दौरान जिनकी भी ड्यूटी लगाई गई है उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी और उनका मानदेय भी रोक दिया जाएगा। गौरतलब है कि स्कूल बंद मिलने पर उन्होंने दोंनो विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को भी जमकर फटकार लगाई। तत्पश्चात बीईओ उरुवा द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय लोहारी, उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरसा, उच्च प्राथमिक विद्यालय बकचुदा, उच्च प्राथमिक विद्यालय बिगहनी, उच्च प्राथमिक विद्यालय चिलबिला व उच्च प्राथमिक विद्यालय गुरुदत्त का पूरा आदि विद्यालयों में जाकर समर कैम्प का निरीक्षण किया और समर कैम्प में बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। फिर निरीक्षण के पश्चात अपने कार्यालय उरुवा पहुँचकर कार्यभार ग्रहण किया। जिसके बाद वहां उपस्थित कर्मचारियों द्वारा बुके व माल्यार्पण कर नवागंतुक खंड शिक्षाधिकारी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बता दें कि चार्ज ग्रहण कर उन्होंने कार्यालय के समस्त स्टॉप व कर्मचारियों के साथ एक आवश्यक बैठक कर शासन द्वारा जारी दिशा निर्देश का समय से अनुपालन करने हेतु सभी को निर्देशित करने के साथ साथ सभी सूचनाओं को समय से जनपद में प्रेसित करने हेतु सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

संगठन मंत्री के आदेश पर खत्म हुआ भारतीय किसान यूनियन का धरना प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

धरने पर बैठे भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन भानू का अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन उच्चाधिकारियों के आश्वासन पर समापन किया गया । और कहा गया कि सभी मुद्दों पर जल्द से जल्द निस्तारण किया जाएगा। बताया जाता है कि भारतीय किसान यूनियन भानू के बैनर तले मंगलवार से किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन चल रहा था। जिसमें भांगों की दुकानों पर गांजा पर रोक, बारा तहसील में खलिहान पर कब्जा हटवाने, रास्ता व नाले के ध्वस्तीकरण के बाद कब्जा, सोरांव, फूलपुर तथा बारा तहसील में अवैध बैनामे पर जांच के न्याय व लेखपालों द्वारा पैमाईश की गई जमीन पर पुनः पैमाईश पर जिम्मेदारी आदि मांगे सम्मिलित था। गुरुवार को उच्चाधिकारियों के आश्वासन पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री विनय सिंह के आदेश पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन खत्म किया गया। भारतीय किसान यूनियन भानू के प्रदेश सचिव राजकुमार पटेल ने कहा कि किसानों पर अत्याचार हुआ तो भारतीय किसान यूनियन भानू हमेशा मैदान रहेगा। और हम अपने कार्यकताओं के साथ तन्मयता के खड़े रहेंगे। इस मौके पर संगठन मंत्री राकेश सिंह मंडल अध्यक्ष नागेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, रूबी, सुख देव पटेल, मनोज कुमार, अंकेश पटेल, सतीश कुमार, कमलेश पटेल, राज कुमार, दिलीप पटेल, धीरेन्द्र कुमार राकेश पटेल समेत हजारों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

विनय तिवारी प्रांतीय अध्यक्ष व श्रद्धा श्रीवास्तव प्रांतीय संगठन मंत्री बनी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री डॉ प्रशांत कुमार ओझा ने जनपद प्रयागराज की समस्त कार्यकारिणी सदस्यों को अवगत कराया कि दिनांक 21/5 /2025 बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रदेश कार्यकारिणी व समस्त जनपदों के जिला अध्यक्ष जिला मंत्री मांडलिक मंत्री की बैठक शारदा इंस्टीट्यूट लखनऊ में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश कार्य समिति के रिक्त पदों को भरने हेतु आवश्यक कार्यवाही की गई थी। प्रदेश अध्यक्ष पद पर चयन हेतु विनय तिवारी, जिला अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के प्राथमिक शिक्षक संघ गोंडा के नाम का प्रस्ताव प्रांतीय मंत्री उमाशंकर सिंह ने रखा जिसे सर्वसम्मति से सभी सदस्यों ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। इस प्रकार विनय तिवारी को उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ का नया प्रांतीय अध्यक्ष चुना गया । इसी क्रम में अन्य पदों हेतु भी सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें जनपद प्रयागराज से श्रद्धा श्रीवास्तव का चयन प्रांतीय संगठन मंत्री पर किया गया । वहीं कार्यकारिणी में अन्य रिक्त पदों पर सहारनपुर से संदीप पवार को प्रांतीय कोषाध्यक्ष, जौनपुर से अमित सिंह को प्रांतीय संयुक्त मंत्री,रायबरेली से शैलेंद्र सिंह को प्रांतीय उपाध्यक्ष, सिद्धार्थ नगर से अतुल मिश्रा को प्रांतीय संगठन मंत्री तथा अमरोहा से जयवीर सिंह को प्रांतीय प्रचार मंत्री के रूप में निर्वाचित किया गया। सभी निर्वाचित पदाधिकारी को एमएलसी विधायक श्री देवेंद्र सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए संगठन को ईमानदारी से,निष्ठापूर्वक व शिक्षक हित में चलाने की बात कही। जनपद कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने श्रीमती श्रद्धा श्रीवास्तव,सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय सिठौली, विकासखंड सैदाबाद, जनपद प्रयागराज को प्रदेशीय संगठन मंत्री पद पर चयन हेतु बधाई दी। अखिलेश कुमार द्विवेदी,जिला अध्यक्ष, प्रयागराज ने इस चयन को जनपद प्रयागराज के लिए गौरवशाली क्षण बताया और सभी कार्यकारिणी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर नीरज श्रीवास्तव, सतीश तिवारी, शशिकांत, अलका सेठ, इंद्रेश तिवारी, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

नैनी स्टेशन रोड पर दो शातिर बैटरी चोर पकड़े गए कई वारदातों की ली जिम्मेदारी, वीडियो वायरल

किस तरीके से घटना को अंजाम देते हैं आरोपी खुद कर कर दिखाएं हैं

अखंड भारत संदेश

शातिर चोर

नैनी। नैनी स्टेशन रोड पर बीती रात दो शातिर बैटरी चोरों को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रंजीत सिंह पुत्र राज करण पटेल एवं राजू सिंह पुत्र भानु प्रताप सिंह के रूप में हुई है, जो कि काशीराम कॉलोनी, नैनी के निवासी हैं। जानकारी के अनुसार, ये दोनों लंबे समय से ट्रक, ई- रिक्शा और अन्य वाहनों की बैटरियां चुराकर प्रयागराज के गऊघाट स्थित बेचते थे। पूछताछ के दौरान दोनों ने बैटरी चोरी की वारदातों को कबूल कर लिया है। जिसका वीडियो भी वायरल हो गया है। बताया गया कि हाल ही में इरशाद अली चाँद और राजकुमार कुशवाहा के ट्रकों की बैटरियां चोरी हुई थीं, जिसके चलते क्षेत्रवासी पहले से सतर्क थे। मंगलवार देर रात नैनी के कॉटन मिल तिराहा पर माता रानी के जागरण के दौरान इन चोरों की गतिविधियों पर शक हुआ, जिसके बाद लोगों ने घिराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। बुधवार सुबह घटना की सूचना नैनी चौकी इंचाज्ज को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहंची और दोनों आरोपियों को अपनी हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ और आगे की कार्रवाई जारी है। स्थानीय लोगों की सजगता से इन चोरों की गिरफ्तारी संभव हो सकी, जिससे क्षेत्र में चोरी की बढ़ती घटनाओं पर कुछ हद तक अंकुश लगने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, ये दोनों लंबे समय से ट्रक, ई- रिक्शा और अन्य वाहनों की बैटरियां चुराकर प्रयागराज के गऊघाट स्थित बेचते थे। पूछताछ के दौरान दोनों ने बैटरी चोरी की वारदातों को कबूल कर लिया है। जिसका वीडियो भी वायरल हो गया है। बताया गया कि हाल ही में इरशाद अली चाँद और राजकुमार कुशवाहा के ट्रकों की बैटरियां चोरी हुई थीं, जिसके चलते क्षेत्रवासी पहले से सतर्क थे। मंगलवार देर रात नैनी के कॉटन मिल तिराहा पर माता रानी के जागरण के दौरान इन चोरों की गतिविधियों पर शक हुआ, जिसके बाद लोगों ने घिराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया।

तिरंगा यात्रा में शामिल लोग

तिरंगा यात्रा निकाल सेना के शौर्य को किया सलाम

झूंसी। भारतीय सेना के शौर्य को सलाम करने के लिए भारतीय जनता पार्टी गंगापार की ओर से गुरुवार को झूंसी में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा की अध्यक्षता गंगापार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने किया। इस दौरान मौजूद विधायक फूलपुर दीपक पटेल ने कहा कि भारतीय सेना के वीर सपूतों को सलाम करने के लिए निकली गई है।

महामंत्री मनोज निषाद ने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान के दाँत खट्टे कर दिए। तिरंगा यात्रा पार्षद मालवा सियाराम मौर्य के कार्यालय से निकली गई जो सहसो चौराहे से होते अबूसा मोड़ फिर अंदावा तिराहा से नई झूंसी गोल बाजार पर तिरंगा यात्रा का समापन हुआ। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष अश्वनी दुबे, पार्षद शिवनारायण यादव, पार्षद सुमित निषाद, मंडल अध्यक्ष रोहित निषाद, पूर्व प्रधान राजेश सिंह, मृगेंद्र सिंह, विजयलक्ष्मी चंदेल, सत्या तिवारी, पवन पांडे रामबाबू केसरवानी प्रभाकर दुबे आदि मौजूद रहे।

एक करोड़ सत्रह लाख की लागत से निर्मित सड़क अधूरी, मानक के विपरीत बनी सड़क

पुलिया का निर्माण अधूरा पूर्ण किए जाने की मांग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। लोक निर्माण विभाग से ग्राम प्रधान अलहवा के प्रयास अरब विधायक कोरांव की संस्तुति से स्वीकृति एक करोड़ सत्रह लाख की लागत से डेढ़ किलोमीटर पक्की सड़क का शिलान्यास विधायक कोरांव राज मणि कोल ने पिछले वर्ष किया था। जो किसी तरह बन कर कथित तौर पर तैयार तो हो गई। किंतु उदघाटन नहीं हो पा रही। क्योंकिब सड़क में कई जगह कमियां रह गई जगह जगह सड़क घटियां दिखी, जिससे कई जगह पटक है महीन गिट्टी का प्रयोग न होना आदि कमियां रह गई।

दरअसल उक्त सड़क की पुलिया सड़क से नदी की इतनी गहराई में निर्मित है कि कोई भी वाहन उसमें दुर्घटना ग्रस्त हो सकता है। सड़क की लंबाई भी करीब सौ मीटर कम है। जहां जहां क्रॉसिंग मार्ग है वहां वहां और अस्पताल तथा मनरेगा गेट तक मार्ग के तिराहे पर काली नहीं किया गया जिससे मार्ग उखड़ने की स्थिति में आ जाएगी। उक्त स्थलों और क्रासिंगों पर घुमान न बनाए जाने से सड़क अशोभनीय लगती है। निर्माण कार्य दाई संस्था लोक निर्माण विभाग की देखरेख में निर्मित सड़क की गुणवत्ता पर अवर अभियंता ने भी कमियां पूर्ण किए जाने की हिदायत ठिकेदार को दी थी। ग्रामीणों ने तथा ग्राम प्रधान अहद अहमद सिद्दीकी ने भी काली सड़क के निर्माण पर प्रश्न चिन्ह लगाया। बोले दुबारा गिट्टी गढ़ों में भर कर दूसरा कोट काली किया जाए। और पूरी लंबाई के साथ पुलिया की ऊंचाई तथा उसी क्रम में सड़क को लेबिल में मिलाया जाए वरना अप्रिय घटना घट सकती है।

झुग्गी झोपड़ियों में अचानक छापा मारने पहुंची बिजली विभाग की टीम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने रिजवान कॉलोनी स्थित झुग्गी झोपड़ी में बुधवार की रात ऑपरेशन हीटर अभियान के तहत छापेमारी की। 38 झुग्गी झोपड़ी से हीटर बरामद किया गया। सभी के खिलाफ बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

करैलाबाग डिवीजन के करेली उपकेंद्र क्षेत्र में दो दिन से ऑपरेशन हीटर शुरू किया गया है। बुधवार देर रात रिजवान कॉलोनी स्थित झुग्गी झोपड़ी में उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह कटारिया के नेतृत्व में टीम पहुंची। बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को देखकर एलटी लाइन में मारी गई कटिया को खींचा जाने लगा। 38 लोगों को पकड़ते हुए तारों को जब्त कर लिया गया। 38 झोपड़ियों से 38 हीटर बरामद किए गए। जबकि यहां 50 से अधिक झोपड़ी हैं, लेकिन कई अन्य तार व हीटर लेकर भाग निकले। जिन लोगों को पकड़ा गया, उनके खिलाफ बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। वहीं दूसरी तरफ रामबाग डिवीजन के अधिकारियों ने अहिराना गली, आर्यकन्या चौराहा, बजरंग मंडी मुहल्ले में अधीक्षण अभियंता भरत सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को विशेष अभियान चलाया। इस दौरान चार घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई। हिम्मतगंज मुहल्ले में गुरुवार दोपहर खुसरोबाग उपकेंद्र के एसडीओ संजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में 37 घरों की जांच की गई। इस दौरान आठ घरों में बाईपास पकड़ा गया। मीटर के पास से केबल काटकर यहां बिजली चोरी की जा रही थी। सभी के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया।

नैनी में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारत शौर्य-तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया

अखंड भारत संदेश

शौर्य तिरंगा यात्रा निकालते लोग

नैनी। नैनी अवंतिका कॉलोनी, पीडीए, नैनी में अवधेश पांडेय, आस्था पांडेय, संजय चतुर्वेदी एवं उमा लाल पांडेय के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारत शौर्य-तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक संगठनों, प्रबुद्ध वर्ग एवं नैनी के गणमान्य नागरिकों ने अत्यंत उत्साह पूर्वक इस यात्रा में हिस्सेदारी की। भारत माता की जय, वंदे मातरम्, हिंदुस्तान जिंदाबाद के जय घोष से समूची अवंतिका कॉलोनी गुंजायमान हो उठी। तिरंगा यात्रा आस्था पांडेय के आवास सुविज्ञ सदन से प्रारंभ होकर श्री शनि मंदिर पर ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए सरगम पेट्रोल पंप पर समाप्त हुई। यात्रा का शुभारंभ पं राजेंद्र प्रसाद शुक्ल एवं धीरज मिश्र के शंखनाद एवं मंत्रोच्चारण के साथ हुआ।

इस अवसर पर सेवा निवृत्त सैनिकों को सम्मानित किया गया। तिरंगा यात्रा के दौरान आतंकवादियों को धिक्कारा गया। साथ ही परम शक्तिशाली भारतीय सेना, भारतीय नागरिकों एवं सरकार के प्रति पूर्ण विश्वास एवं आस्था प्रदर्शित कर दुश्मन को उचित संदेश दिया गया। तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से दशरथ प्रसाद मिश्रा, रमेश शुक्ला, आर के शुक्ला, सुनील जायसवाल, ओ पी मिश्रा, प्रांजल पांडेय, डॉ आनंद पांडेय, सत्यम शुक्ला, शिव शंकर दीक्षित, प्रदीप महरा, जयशंकर मिश्रा, रघुनाथ द्विवेदी, राजन शुक्ला, रजत दुबे, दिलीप केसरवानी, आर के पांडेय, अनंता राखे, शिव कुमार पाठक, राजेश सिंह, वेद, आर एल डी दुबे, अंकिता उपाध्याय, सुषमा विश्वकर्मा, रवि करण सिंह, लक्ष्मीकांत तिवारी, रवि मिश्रा, हरे कृष्ण तिवारी, नरसिंह, कृष्ण गोविंद, राजू यादव, प्रकाश शुक्ला, अभिषेक त्रिपाठी, मुकेश पांडेय, अनिमेष शुक्ला, आंजनेय मिश्रा, संघमित्रा जी, वागेश पांडेय, आर के दुबे, संतोष गुप्ता, राकेश त्रिपाठी सुनील साहनी, सुधांशु पांडेय, सुभाष सिंह आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा मित्रों ने शोक सभा कर व्यक्त की संवेदना

करछना। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ प्रयागराज शोक सभा इफ्फ करछना में आयोजित की गयी सभा में 2 मिनट मौन रहकर उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष अध्यक्ष श्री रमेश मिश्रा जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया बैठक में उनके किए गए शिक्षामित्र के हित में अतुलनीय प्रयास एवं सेवा भाव को याद किया गया तथा शिक्षामित्र की अपूर्ण क्षति बताया गया जिसे भविष्य में भरपाई ना होने की बात कही गई बैठक में जिला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जनार्दन पांडे ने कहा कि आदरणीय रमेश मिश्रा जी द्वारा किया गया अतुलनीय कार्य कभी भुलाया नहीं जा सकता उनके निधन से शिक्षामित्र को गहरा आघात लगा है तथा उनके परिवार के भविष्य को लेकर भी चिंता का विषय बना है शिक्षामित्र उनके किए गए कार्यों के प्रति आजीवन ऋणी रहेगा बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष करछना सिद्धराज सिंह ने कहा कि मिश्रा जी के निधन से शिक्षामित्र की अपूर्ण क्षति हुई है जिसको कभी बुलाया नहीं जा सकता पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अब्दुल मुकित सिद्दीकी ने कहा कि मिश्रा जी के प्रति गहरी संवेदना है और शिक्षामित्र के हित में निश्चित रूप से एक बहुत बड़ा कुठाराघात है बैठक में मुख्य रूप से पंकज राय,ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, रमेश चंद, राजू पांडे ,राजकरण, रजनीकांत गौरव अनंत लाल भारती आदि शिक्षामित्र मौजूद रहे।

बकुलाही नदी में समा जाने से चार मासूम बच्चियों की दर्दनाक मौत, परिजनों में कोहराम

राजा भइया ने प्रभावित परिवारों की मदद को बढ़ाया हाथ, किया आर्थिक मदद की घोषणा

एसपी तथा एडीएम समेत अफसरों ने घटनास्थल का लिया जायजा

अखंड भारत संदेश

मृतक बच्चियों स्वाती, संध्या, चांदनी व प्रियांशी की फाइल फोटो

बच्चियों की मौत के बाद रोते बिलखते परिजन

सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंचे राजा भइया

बच्चियों की मौत की घटना की जानकारी लेते एसपी डा0 अनिल कुमार

प्रतापगढ़। जिले के कुण्डा कोतवाली क्षेत्र में बकुलाही नदी में समा जाने से चार मासूमो की दर्दनाक मौत हो गयी। एक ही परिवार की तीन बच्चियों की मौत से परिवार पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा है। मासूमो की मौत की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन मे हड़कंप मच गया। वही घटना की जानकारी होते ही कुण्डा विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया भी क्षेत्रीय विधायक विनोद सरोज के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। राजा भइया ने घटना पर दुख जताते हुए प्रत्येक मृतक बच्चियों के लिए एक एक लाख रुपए पार्टी की ओर से दिये जाने की घोषणा की। महेशगंज थाना क्षेत्र के डिहवा जलालपुर गांव से पांच बच्चियां घर के चूल्हे के लिए मिट्टी का लेप लाने के लिए कुण्डा कोतवाली के चेती का पुरवा गांव के समीप बकुलाही नदी पहुंची। इन बच्चियों के घर से घटनास्थल की दूरी लगभग डेढ़ किलोमीटर है। डिहवा जलालपुर निवासी जीतलाल की पुत्री स्वाती (13) व संध्या (11) एवं चांदनी (06) तथा बगल के पृथ्वीपाल की पुत्री प्रियांशी (07) की नदी के गहरे पानी में समा जाने से मौत हो गयी। वहीं साथ गयी पांचवी बच्ची सृष्टि इन्हें नदी में डूबता देख शोर मचाते गांव पहुंची। गांव से निकली बच्चियां नदी से मिट्टी निकाल रही थी। बुधवार की रात अचानक बारिश हुई थी। इससे नदी के किनारे फिसलन बढ़ गयी थी। ग्रामीणों का कहना है कि नदी में मिट्टी की जेसीबी द्वारा खुदाई होने से जगह जगह बारह से चौदह फिट के खड्ढे बन गये हैं। मिट्टी निकालते समय अचानक एक बच्ची पानी में डूबने लगी। उसकी चीख सुनकर एक एक कर बच्चियां एक दूसरे को बचाने में नदी में समा गयी। वहीं पांचवी बच्ची सृष्टि ने हादसा देख चीखते चिल्लाते गांव की तरफ दौड़ पड़ी। घटना की जानकारी होते ही आनन-फानन में आसपास के ग्रामीण वहां पहुंच गये। ग्रामीणों ने नदी में समायी बच्चियों को बाहर निकलवाया। हालांकि तब तक इन चारों की सांसे थम चुकी थीं। गुरूवार की सुबह घटना की जानकारी मिलने पर जिले के पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार तथा एडीएम आदित्य प्रजापति भी मौके पर पहुंचे। वही एसडीएम कुण्डा देशदीपक व सीओ सदर करिश्मा गुप्ता भी प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर आ डटे। इधर घटना की जानकारी मिलने पर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक विनोद सरोज के साथ पीड़ितो से मिलकर गहरी संवेदना जतायी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भइया ने मृतक बच्चियों के परिजनों को पार्टी की ओर से एक एक लाख रुपए त्वरित सहायता प्रदान करने की घोषणा की। वहीं जिला प्रशासन की ओर से मृतक बच्चियों के परिजनों को चार चार लाख रुपए अहेतुक शासकीय सहायता धनराशि की संस्तुति की गयी है। घटना को लेकर मृतक बच्चियों के परिजन रोते बिलखते दिखे। वही घटनास्थल पर जमा भीड़ मे नदी में जेसीबी से खुदाई को लेकर आक्रोश भी देखा गया।

प्रमोद तिवारी व मोना ने मासूम बच्चियों की मौत पर जताया दुःख

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कुण्डा क्षेत्र के चैती का पुरवा में बकुलाही नदी में डूबने से चार मासूम बच्चियों की आकस्मिक मौत पर गहरी संवेदना प्रकट की है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा सीएलपी नेता मोना ने मासूम बच्चियों की हृदयविदारक मौत को लेकर पीडित परिवारीजनों के प्रति सहानुभूति जतायी है। नेताद्वय ने मृतक बच्चियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना व शोकाकुल परिवार को धैर्य प्रदान करने की भी प्रार्थना की है। सांसद प्रमोद तिवारी व विधायक आराधना मिश्रा मोना का बयान यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

न्यूज झरोखा

हर्ष फायरिंग के मामले में पुलिस ने पांच पर दर्ज किया मुकदमा

पट्टी। बर्थडे पार्टी के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने वह हर्ष फायरिंग का विरोध करने पर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। हर्ष फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के पूरे खिरोधर गांव निवासी शिमला पत्नी स्वर्गीय राम फेर ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि मंगलवार की रात करीब 12 बजे पड़ोस के लोग बर्थडे पार्टी के दौरान तेज आवाज में डीजे बजा रहे थे। इस दौरान वह छत पर गर्मी अधिक होने के कारण सोने गई तो हर्ष फायरिंग होने लगी। जिसके डर से वह नीचे चली आई। करीब आधे घंटे बाद पुनः छत पर गई तो फिर से हर्ष फायरिंग होना शुरू हो गई। इसके बाद वह जहां बर्थडे पार्टी हो रही थी वहां गई और उन लोगों को हर्ष फायरिंग वा तेज आवाज में डीजे बजाने से रोका। आरोप है कि इसी बात को लेकर विपक्षी उसे मारने पीटने लगे। वह जान बचाकर घर में भागी तो आरोपी घर में घुसकर उसे मार पीट कर घायल कर दिया। इस मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने गुरुवार को राकेश पुत्र खेमई, राकेश पुत्र अमृतलाल, प्रदीप, अरविंद व सर्वजीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

दलित युवती के घर में घुसा गैर समुदाय का युवक, छेड़-छाड़

बेलखरनाथ धाम। मायके आई विवाहित को घर में अकेला देखकर रात में एक युवक दरवाजा खुला देखकर घर में घुसकर अश्लील हरकत करने लगा। विवाहिता के शोर मचाने पर आरोपित युवक उसके कान झुमका व पायल स्नेचिंग करके भाग निकला।हल्ला गुहार पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इस मामले में पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कारवाई की मांग की है। कंधई थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार रात 11 बजकर 30 मिनट पर घर में एक महिला सो रही थी। घर का दरवाजा खुला होने पर आरोपित युवक उसके घर में घुसकर छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें करने लगा। हल्ला गुल्ला पर आरोपित उसके गहने छीनकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपित की तलाश की लेकिन वह नहीं मिला।पुलिस आरोपितों युवक के परिवार के दो लोगों को थाने उठा ले गई।घटना से आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। विवाहिता के पिता आरोपित को नामजद करते हुए थाने में तहरीर दी है।इस संबंध में थानाध्यक्ष कंधई गुलाबचंद सोनकर ने बताया कि तहरीर मिली है मामले की जांच कर मुकदमा दर्ज किया जायेगा।

शौच को गई युवती गायब, मुकदमा दर्ज

बेलखरनाथ धाम। घर से शौच के लिए निकलीं युवती एक युवक के साथ फरार हो गई। मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दिलीपपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली वंदना पांडे ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि बीते मंगलवार की रात 10 बजे बेटी सोनाक्षी (19) बगल शौचालय में शौच के लिये कहकर गई,लेकिन दो घंटे तक वापस न लौटने पर मां सहित अन्य परिजन ने आसपास के लोगों से पता किया जिसका पता नहीं चल सका। काफी देर बाद परिजनों ने बेटी को फोन किया तो किसी अज्ञात युवक ने फोन रिसीव किया और उसने सोनाक्षी को अपने पास होने की बात कही तथा पुलिस में शिकायत करने पर युवती की मां को जान से मारने व बेटी की हत्या करने धमकी देते हुए गाली गलौज करने लगा।बुधवार को मां की तहरीर पर दिलीपपुर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।एसओ दिलीपपुर शत्रुघ्न वर्मा ने बताया कि अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। युवती की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जायेगा ।

रंजिश में महिला समेत परिवारीजनों को पीटा, केस दर्ज

प्रतापगढ़। महिला व परिवार के लोगों के साथ हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थाना क्षेत्र के लोहंगराय गंगा कटरा गांव की यशोदा पत्नी रामसुंदर यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती इक्कीस मई की सुबह गांव के प्यारे लाल शर्मा अपनी पत्नी पियराईन व पुत्र संदीप शर्मा के साथ अपने निमार्णाधीन मकान में पानी डाल रहे थे। पीड़िता के घर में पानी आने से उसने मना किया तो आरोपियों ने पीड़िता व उसके पति रामसुन्दर यादव तथा पुत्री आरती को मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। एसओ अरूण कुमार सिंह का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

गड्ढा खुदाई का विरोध करने पर युवक को पीटा

पट्टी। सदहां गांव निवासी विजय बहादुर यादव ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपित किया है कि गुरुवार को सुबह लगभग 10 बजेभूमिधरी में दबंगई व सरहंगई के बल विपक्षियों द्वारा कब्जा करने की नीयत से गड्ढा खुदाई का कार्य किया जा रहा था। जब उसने विरोध किया तो गाली गलौज करते हुए उसे लात-घूंसों व डंडे से जमकर पीटा गया। पीड़ित ने चार के विरुद्ध नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

विभिन्न सेवाओं में चयनित 12 अभ्यर्थियों को किया गया सम्मानित

राजकीय जिला पुस्तकालय में उपलब्ध सभी सेवायें निःशुल्क

अखंड भारत संदेश

चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित करते जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा

प्रतापगढ़। राजकीय जिला पुस्तकालय प्रतापगढ़ से तैयारी कर-के विभिन्न सेवाओं में चयनित 12 छात्र/छात्राओं को राजकीय जिला पुस्ताकलय में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात पुस्तकालयाध्यक्ष नसरल अली द्वारा बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया गया तथा पुस्तकालय का परिचय, उपलब्ध सुविधाओं एवं उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया गया। नवचयनित 12 छात्र/छात्राओं में अनुदेशक/ प्रविधिक शिक्षा विभाग में सुभाना फातमा व सना फातमा का चयन, भाषा शिक्षक/शिक्षा विभाग में में बरीरा मंतशा का चयन, उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में आशुतोष, अभिषेक, सौम्या सिंह, सत्यम, धीरेन्द्र कुमार, महेश प्रजापति का चयन, सीजीएल (सांख्यिकीय अधिकारी)/हाई कोर्ट ग्रुड डी में मो0 ताहिर का चयन, आईआईटी मेन्स में शुजात अली व राज शेखर का चयन हुआ है। जिन्हें जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा स्मृति चिन्ह, मेडल तथा माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा पुस्तकालय में कराये गये टाईलीकरण के कार्य का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान राजकीय जिला पुस्तकालय में नियमित तैयारी कर रहे नवचयनित छात्र/छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुये पुस्तकालयाध्यक्ष एवं पुस्तकालय कर्मियों द्वारा किये गये सहयोग की प्रशंसा की तथा अन्य पाठकों को सफलता के लिये प्रेरित किया। इसके बाद सह जिला विद्यालय निरीक्षक आरपी सरोज एवं प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कालेज कुलश्रेष्ठ तिवारी ने अपने सम्बोधन के द्वारा पाठकों का मार्गदर्शन करते हुये उनको सफलता के लिये प्रेरित किया। राजकीय जिला पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के सम्बन्ध में बताया गया कि पुस्तकालय में 16000 पुस्तकों का प्रचुर संग्रह (विज्ञान, इतिहास, राजनीति, कला, दर्शन, धार्मिक एवं साहित्यिक पुस्तके), सदस्यों को मुफ्त इण्टरनेट एवं वाई फाई की सुविधा, प्रिन्ट, फोटोकापी व स्कैनिंग की निःशुल्क सुविधा, युवाओं के लिये क्षमता सम्वर्धक कार्यक्रम, प्रतियोगी छात्रों को तनाव प्रबंधन एवं उचित मार्गदर्शन हेतु अनवरत कैरियर कार्यक्रम का आयोजन, प्रतियोगी छात्रों के लिये आनलाइन फार्म, आय, जाति तथा निवास बनवाने की निःशुल्क सुविधा, वातानुकूलित वाचनालय हाल, सीसीटीवी की नजर में पठन-पाठन, शुद्ध एवं शीतल पेयजल (आरओ) की सुविधा, निर्वाह विद्युत की सुविधा, महिला/ पुरूष/ स्टाफ के लिये अलग-अलग स्वच्छ शौचालय की सुविधा व सुरक्षा हेतु दिन एवं रात में गार्ड की ड्यूटी रहती है। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में समाचार पत्र क्रमशः दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान, अमर उजाला, राष्ट्रीय सहारा, अमृत प्रभात, द हिन्दु (अंग्रेजी), द इंडियन एक्सप्रेस (अंग्रेजी), एन0आई0पी0 (अंग्रेजी) तथा उपलब्ध पत्रिकाओं में प्रतियोगिता दर्पण, क्रानिकल, समसामायिक घटना चक्र, सामान्य ज्ञान, कुरूक्षेत्र, योजना, अमर उजाला सफलता व करेंट अफेयर उपलब्ध है। राजकीय जिला पुस्तकालय प्रतापगढ़ में उपलब्ध सभी सेवायें निःशुल्क है।

हरि संकीर्तन के साथ निकली भव्य कलश यात्रा, हुई पुष्पवर्षा

अखंड भारत संदेश

कलश यात्रा में शामिल लोग

प्रतापगढ़। श्रीमदभागवत कथा को लेकर गुरूवार को यहां भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। भागवतभूषण पं. विनय कुमार शुक्ल की अगुवाई में निकली कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं व भक्त शामिल हुए। भगवान के भजन संकीर्तन के साथ कथास्थली कहारन का पुरवा से कलश यात्रा घुइसरनाथ रोड होते हुए छोटी नहर से जंगली वीर बाबा धाम पहुंची। राजेन्द्र नगर चैराहे होते हुए कलश यात्रा रायबरेली रोड स्थित हरिहरमंदिरम पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान के समक्ष मत्था टेका। कलश यात्रा में नगर के व्यापारियों के द्वारा पुष्पवर्षा भी हुई दिखी। इसके बाद कलश यात्रा लालगंज चैक होते हुए कथास्थली पहुंची। भागवतभूषण पं. विनय शुक्ल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के नाम जाप में जीवन का समस्त सुख स्वतः निहित है। उन्होने श्रद्धालुओं से कहा कि भगवान के प्रति समर्पण श्रद्धा के साथ होने पर भगवान स्वयं भक्त एवं भक्ति की रक्षा किया करते हैं। संयोजक जितेन्द्र बाबा तथा केवला देवी ने श्रद्धालुओं का तिलक अभिषेक किया। इस मौके पर संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, मनीष कुमार शुक्ल, राघवेन्द्र पाण्डेय, हीरालाल, नीरज कुमार, प्रभावती, फूलमती, रज्जो देवी व श्यामा देवी आदि रहे।

जिला कृषि अधिकारी ने कुण्डा क्षेत्र के 07 बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

07 बीज विक्रय प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस किया जारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने 20 मई को खरीफ-2025 में कृषकों को गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराने हेतु कुण्डा क्षेत्र के 07 बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जिला कृषि अधिकारी द्वारा मौर्या बीज भण्डार कुण्डा के बीज प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण पंजिका एवं कैश मेमो उपयोग नहीं किया जा रहा था जिसके लिए इनको कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक से अलग-अलग प्रजातियों के चार नमूने ग्रहीत किए गये है। राजेश सीड् एण्ड पेस्टीसाइड कुण्डा के बीज प्रतिष्ठान के निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण पंजिका एवं कैश मेमो उपयोग नहीं किया जा रहा था जिसके लिए इनको कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक से अलग-अलग प्रजातियों के चार नमूने ग्रहीत किए गये है। कुण्डा सीड् कार्पोरेशन कुण्डा के बीज प्रतिष्ठान के निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण पंजिका एवं कैश मेमो उपयोग नहीं किया जा रहा था जिसके लिए इनको कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक से अलग-अलग प्रजातियों के दो नमूने ग्रहीत किए गये है। से अलग-अलग प्रजातियों के चार नमूने ग्रहीत किए गये है। तनिष्क ट्रेडर्स कुण्डा के बीज प्रतिष्ठान के निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण पंजिका एवं कैश मेमो उपयोग नहीं किया जा रहा था जिसके लिए इनको कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक से अलग-अलग प्रजातियों के तीन नमूने ग्रहीत किए गये है। कृषि सेवा केन्द्र कुण्डा के बीज प्रतिष्ठान के निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण पंजिका एवं कैश मेमो उपयोग नहीं किया जा रहा था जिसके लिए इनको कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक से अलग-अलग प्रजातियों के चार नमूने ग्रहीत किए गये है। मुन्नू लाल एण्ड सन्स कुण्डा के बीज प्रतिष्ठान के निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण पंजिका एवं कैश मेमो उपयोग नहीं किया जा रहा था जिसके लिए इनको कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक से अलग-अलग प्रजातियों के चार नमूने ग्रहीत किए गये है। इसी प्रकार लाल चन्द्र एण्ड कम्पनी कुण्डा के बीज प्रतिष्ठान के निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण पंजिका एवं कैश मेमो उपयोग नहीं किया जा रहा था जिसके लिए इनको कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक से अलग-अलग प्रजातियों के तीन नमूने ग्रहीत किए गये है। कृषि सेवा केन्द्र कुण्डा के बीज प्रतिष्ठान के निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण पंजिका एवं कैश मेमो उपयोग नहीं किया जा रहा था जिसके लिए इनको कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक से अलग-अलग प्रजातियों के चार नमूने ग्रहीत किए गये है। मुन्नू लाल एण्ड सन्स कुण्डा के बीज प्रतिष्ठान के निरीक्षण में स्टॉक एवं वितरण पंजिका एवं कैश मेमो उपयोग नहीं किया जा रहा था जिसके लिए इनको कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक से अलग-अलग प्रजातियों के दो नमूने ग्रहीत किए गये है।

रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट, जांच में जुटी पुलिस

प्रतापगढ़। रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट की घटना में कई लोग चुटहिल हो गये। सांगीपुर थाना क्षेत्र के तिवरानन का पुरवा पहाड़पुर में गुरूवार को दोपहर रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्ष आमने सामने हो गये। दोनों पक्षो के बीच हुई मारपीट मे लाठी डंडे व ईट पत्थर चले। एक पक्ष के दो गंभीर चुटहिलों का इलाज स्थानीय ट्रामा सेंटर में जारी बताया गया है। एक पक्ष की आशा देवी पत्नी बृजेश तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि दिन मे ढाई बजे रास्ते के विवाद को लेकर गांव के रामचन्द्र पुत्र जगदीश प्रसाद समेत पांच आरोपियो ने गालीगलौज करते हुए लाठी डंडा व कुल्हाडी से हमला बोल दिया। विपक्षियो के हमले मे पीड़िता के साथ उसके बेटों को गंभीर चोटें आयी है। पीड़िता के मुताबिक चुटहिल उसके बेटो का लालगंज ट्रामा सेंटर में इलाज जारी है। वही दूसरे पक्ष के रामचन्द्र पुत्र जगदीश प्रसाद ने पुलिस को दी गई तहरीर में बृजेश समेत आरोपियो पर जबरिया रास्ते के विवाद को लेकर गालीगलौज व जानलेवा धमकी के साथ प्राणघातक हमले की बात कही है। पीडित ने तहरीर मे आरोपियो पर धारदार हथियार से हमला कर घर की महिलाओं व सदस्यो को गंभीर रूप से चुटहिल किये जाने की भी बात कही है। सांगीपुर एसओ मनीष त्रिपाठी का कहना है कि दोनों पक्षो की तहरीर की जांच की जा रही है, आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

समर कैम्प में लुत्फ उठा रहे नौनिहाल

अखंड भारत संदेश

समर कैंप में चित्रकारी सीखते बच्चे

लालगंज। गर्मी की छुटटी के बाद परिषदीय विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन चल रहा है। तहसील अन्तर्गत चार ब्लाकों लालगंज, सांगीपुर, रामपुर संग्रामगढ़ व लक्ष्मणपुर के अन्तर्गत एक सौ अटठावन परिषदीय विद्यालयों में चल रहे समर कैम्प में गुरूवार को बच्चों ने खेल कूद के साथ योग भी सीखा। वही शिक्षकों ने बच्चों को चित्रकारी, क्रिकेट आदि के भी गुर सिखाये। खण्ड शिक्षा अधिकारी लालगंज सुरेश सिंह, रामपुर संग्रामगढ़ के रविशंकर उपाध्याय व सांगीपुर के जंगीलाल तथा लक्ष्मणपुर के सुरेश सरोज ने कहा कि ग्रीष्म अवकाश में उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश के दौरान समर कैम्प का आयोजन बच्चों में रचनात्मक वातावरण का सृजन करने में सहायक सिद्ध होगा। बच्चे समर कैम्प में मौज मस्ती के साथ विभिन्न गतिविधियों चित्रकला, नृत्य आदि में भी बढ़ चढ़कर प्रतिभाग कर रहे हैं।

सुनवाई नहीं होने पर शिकायत एसपी से

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के भिवनी गांव निवासी मुकेश सोनी ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि 4 दिन पूर्व पुरानी रंजिश को लेकर परिवार के लोगों ने मारपीट की थी। जिससे उसका सिर फट गया जिसमें टांके लगे हैं। वही उसके परिवार के अन्य लोगों को भी चोटे आई थी। जिसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की गईलेकिन पुलिस दूसरे पक्ष का मेडिकल कराते हुए उसके पारिवारिजनों पर मुकदमा दर्ज कर लिया और उसका ना तो मेडिकल कराया न ही मुकदमा दर्ज किया। पीड़ित गुरुवार को दिन में 2 बजे एसपी को प्रार्थना पत्र देकर मेडिकल कराते हुए मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की है।

घर में घुसकर की मारपीट, पांच पर केस

लालगंज। पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पूरे बल्दू गोड़वा गांव की मुकेश कुमारी पत्नी फूलचंद्र सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर बीती अटठाईस अप्रैल की सुबह करीब नौ बजे गांव के ओमप्रकाश पुत्र रामआसरे, विमलेश व इंगलेश पुत्रगण नागेश्वर, मिथुन पुत्र अवधेश तथा सुनीता पत्नी विमलेश एकराय होकर उसके दरवाजे पर पहुंचे और गालीगलौज करने लगे। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपियों ने उसे मारापीटा। बचाव में पहुंचे पीड़िता के पति को भी मारपीट कर घायल कर दिया तथा घरेलू सामानों में तोडफोड करते चले गये। एसओ मनीष त्रिपाठी का कहना है कि जांच के बाद पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

गायब युवती को कंधई पुलिस ने बिहार से किया बरामद

बेलखरनाथ धाम। सेना का फर्जी मेजर बनकर बिहार का एक युवक लाइब्रेरी में पढ़ने गई एक 19 वर्षीय युवती को बीते 9 मई 2025 लेकर फरार हो गया था।जिसे पुलिस ने बिहार से बरामद किया है।कंधई थाना क्षेत्र के एक युवती को सेना का फर्जी मेजर बनकर भगाने वाले को कंधई पुलिस ने मुखबिर की सूचना एवं मोबाइल ट्रेस कर दीवानगंज चैकी इंचार्ज दीपक कुमार द्वारा युवती को बिहार प्रांत के भागलपुर से बीते बुधवार शाम बरामद कर गुरुवार को कंधई थाने लाकर बयान दर्ज कर अन्य कार्रवाई शुरू कर दी।इस दौरान युवती को भगा ले जाने वाला बिहार प्रांत के भवानीपुर निवासी आरोपित युवक रितेश कुमार यादव मौके से फरार हो गया।युवती के पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा था कि उसकी पुत्री पट्टी नगर स्थित एक लाइब्रेरी में 9 मई को सुबह लगभग 8 बजे पढ़ने गई थी। सुबह दस बजे जब वह उसे खाने का टिफिन देने गया तो लाइब्रेरी से बाहर आने के लिए उसे फोन किया, लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद था। जिससे परेशान होकर वह पट्टी नगर में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे से जांच कराई तो वह प्रतापगढ़ की तरफ जा रही टेम्पो में बैठते हुए दिखाई दी थी। युवती के पिता का कहना है कि उसके मोबाइल फोन से सीडीआर से जानकारी हुई की इंस्टाग्राम पर किसी युवक से उसकी बात होती थी। बातचीत करने वाला युवक अपने आप को भारतीय सेना का मेजर बता रहा था।आरोप है कि वह युवक की बेटी को झांसे में लेकर बिहार राज्य चला गया था। पिता ने बताया कि आरोपित युवक सेना के मेजर की वर्दी पहनकर फेंक आईडी बनाकर उसकी बेटी को झांसे में डालकर उसे गायब कर दिया और उसे जान से मारने की धमकी दी।एसओ कंधई गुलाब चंद्र सोनकर ने बताया कि युवती को बिहार प्रांत के भवानीपुर से बरामद कर लिया गया है। बयान दर्ज कराया जा रहा है। युवती ने स्वेच्छा से जाने की बात कर रही है। युवती के बयान के आधार पर अन्य कार्रवाई की जाएगी।

गोरक्षक बनकर भैस लदे वाहन चालकों से वसूली करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

दो गिरफ्तार, स्कॉर्पियो बरामद

कौशाम्बी। गौरक्षा के नाम पर अवैध वसूली करने वाले एक गिरोह का मंझनपुर पुलिस ने पदार्फाश करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों पर भैंस लदे वाहनों को जबरन रोककर खुद को गोरक्षक दल का सदस्य बताकर पैसे वसूलने का आरोप है। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त काले रंग की स्कॉर्पियो (वढ73अत्र6214) भी बरामद कर ली है। इस संबंध में थाना मंझनपुर पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश पुलिस कर रही है।मामला 21 मई की रात का है,जब एक पीड़ित व्यक्ति ने थाना मंझनपुर में सूचना दी कि वह अपने वाहन में भैंस लादकर अझुआ बाजार बेचने जा रहा था। इसी दौरान मंझनपुर कोतवाली के महाबली हनुमान मंदिर, एदिलपुर मार्ग पर एक काली स्कॉर्पियो से आए कुछ लोगों ने हूटर बजाकर वाहन को ओवरटेक कर रोका और खुद को गोरक्षक बताते हुए 20 हजार रुपये की मांग की। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी से मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं। पीड़ित की तहरीर पर मंझनपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया इसी बीच पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने घटना की गंभीरता को देखते हुए एक टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। 22 मई को मुखबिर की सूचना पर मंझनपुर पुलिस ने दो अभियुक्तों संगम पांडेय पुत्र राजबहादुर पांडेय निवासी रूपनरायणपुर थाना सैनी और शनि मौर्य पुत्र मिथिलेश मौर्य निवासी गुलामीपुर गनपा थाना सैनी को टेवा रोड स्थित मंडी गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए है गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि वे और उनके अन्य साथी, सर्वेश लोधी, प्रदीप सरोज और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति मिलकर गाड़ियों की रेकी करते हैं। रात में जानवर लदी गाड़ियों को स्कॉर्पियो से पीछा कर सुनसान जगहों पर रोकते हैं। फिर खुद को गोरक्षक बताकर पुलिस का भय दिखाते हैं और पैसे की मांग करते हैं। पैसे नहीं देने पर मारपीट की जाती है। 21 मई की रात भी इसी तरीके से वारदात को अंजाम दिया गया था। गांव वालों के इकट्ठा होने पर आरोपी फरार हो गए थे। अपराध का तरीका और रणनीति के बारे में अभियुक्तों ने बताया कि सुनसान स्थानों को चुनकर वाहन चालकों को फंसाते हैं और अपने गिरोह के अन्य साथियों के साथ मिलकर वसूली करते हैं। उनके पास हूटर लगी स्कॉर्पियो है जिससे वे खुद को सरकारी अथवा विशेष दल का सदस्य दशार्ते हैं।पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश करन दिया है। वहीं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने मामले के शीघ्र अनावरण पर टीम को सराहना दी है स्कॉर्पियो किसकी है यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

21 उपनिरीक्षक का फतेहपुर वा प्रतापगढ़ हुआ स्थानांतरण

कौशाम्बी। एक जिले में 6 वर्ष का समय पूर्ण कर चुके 21 उप निरीक्षकों का कौशांबी से प्रतापगढ़ फतेहपुर जिले में स्थानांतरण करने के निर्देश पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र अजय कुमार मिश्रा ने जारी किया है आईजी कार्यालय द्वारा जारी ट्रांसफर निर्देश के मुताबिक कौशांबी जिले के विभिन्न थाना पुलिस चौकी में तैनात उप निरीक्षक जयप्रकाश सिंह सभाजीत तिवारी राधे मोहन श्रीवास्तव जितेंद्र कुमार मौर्य अशोक कुमार यादव रवि शंकर किशन कुमार रवि प्रकाश सिंह कृष्ण कुमार यादव चंदन सिंह प्रमेश कुमार यादव अरुण कुमार और सुनील कुमार यादव को कौशांबी से हटाते हुए प्रतापगढ़ जनपद ट्रांसफर किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा जारी आदेश के मुताबिक कौशांबी जिले के विभिन्न पुलिस थाना और पुलिस चौकियो में तैनात उप निरीक्षक राम सजीवन साहू कामता प्रसाद बलराम सिंह मनोज कुमार तोमर बृजेंद्र सिंह गौरव त्रिवेदी अनिल कुमार सिंह और बसंत सिंह को कौशांबी जिले से हटाते हुए प्रतापगढ़ जनपद ट्रांसफर कर दिया गया है जिले के 21 उप निरीक्षकों का स्थानांतरण का आदेश आईजी प्रयागराज ने जारी किया है। सभी उप निरीक्षक कौशांबी जिले में 6 वर्ष की समय सीमा पूर्ण कर चुके हैं।

न्यूज झरोखा

ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता सैनिकों के सम्मान में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा का आयोजन

कौशांबी नगर पंचायत सराय अकिल में ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता पर सैनिकों के सम्मान में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा मंडल अध्यक्ष दुर्गेश नंदन मिस्त्र की अध्यक्षता एवं नगर पंचायत अध्यक्ष अनूप सिंह के नेतृत्व में निकाला गया जिसमें मुख्य अतिथि के निवर्तमान विधायक संजय गुप्ता थे तिरंगा यात्रा में क्षेत्र के पूर्व सैनिकों को भी आमंत्रित किया गया तिरंगा यात्रा में पूर्व सैनिकों ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए क्षेत्र के कई सैनिकों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित किया यह तिरंगा यात्रा सैनिकों के सम्मान में नगर पंचायत सराय अकिल के पटेल स्कूल से प्रारंभ हो कर फकीराबाद चौराहा से होते हुए आदर्श इंटर कालेज के सामने कंडुआ पर होते हुए बस स्टैंड के सामने से थाना कोतवाली होते हुए चंद्र शेखर पार्क से चावल मंडी होते हुए राम लीला मैदान में समापन किया गया तिरंगा यात्रा में भारत माता की जय बंदे एवं सैनिक एकता जिंदा बाद के नारे लगाते हुए पूरे नगर पंचायत का भ्रमण किया गया यात्रा के दौरान भारत का तिरंगा सराय अकिल के गौरव का प्रतीक था तिरंगा यात्रा के दौरान पूर्व सैनिक संजीव कुमार चौरसिया जगदीश पाठक ब्रह्मचारी लाल पाण्डे संदीप पाठक नत्थू लाल पाल शिवकरन विश्वकर्मा विनोद कुमार कुशवाहा संदीप पाठक राम असरे दिवाकर राम बच्चन पाल उमाकांत पांडे दुर्गेश नंदन मिस्त्र उमेश केसरवानी बृजेंद्र नारायण मिश्र अवधेश कुमार गुप्ता राम बहादुर जायसवाल गौरी शंकर मोदनवाल नारायण दास द्विवेदी जय सिंह कामता प्रसाद चौरसिया पंकज तिवारी विकास गुप्ता प्रमोद कुमार प्रजापति सहित अन्य मीडिया कर्मी एवं सराय अकिल के हजारों लोग उपस्थित रहे।

जिले में धड़ल्ले से हो रही फर्जी नोटरी को रोकने के लिए डीएम से मिले अधिवक्ता

कौशाम्बी। भारत सरकार द्वारा नवनियुक्त नोटरी अधिवक्तागण का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिला और जिले में हो रही फर्जी नोटरी से अवगत कराया अधिवक्ताओं ने बताया की दुकानदारों का एक बड़ा रैकेट बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर शपथ पत्र का दवा करते हैं और नोटरी अधिवक्ताओं की फर्जी मोहर बनवाकर धड़ल्ले के साथ नोटरी तस्दीक कर रहे हैं । कई बार इसका विरोध किया गया लेकिन दुकानदार बाज नहीं आए। गुरुवार को जिले के सभी नोटरी अधिवक्ता जिलाधिकारी से मिलकर के उनको फर्जी नोटरी से अवगत कराया तथा मांग की की कोषागार से नोटरी टिकट केवल नोटरी अधिवक्ताओं को ही नोटरी टिकट उपलब्ध कराए जाएं तभी फर्जी नोटरी पर रोक लगाई जा सकती है डीएम ने सभी अधिवक्ता गणों की बात को ध्यान से सुनने के बाद पूरा आश्वासन दिया की इसकी जांच कराई जाएगी तथा फर्जी दुकानदार जो शपथ पत्र का दावा कर रहे हैं उनके यहां छापा डलवा कर कानूनी कार्यवाही कर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी उन्होंने इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से सुना तथा इस पर रोक लगाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है जिला अधिकारी से मिलने वाले नोटरी अधिवक्ता में दिनेश कुमार पांडे दुर्गेश कुमार गुप्ता जितेंद्र कुमार मालवीय कौशलेश कुमार द्विवेदी दिलीप कुमार शुक्ला चंद्रभान गुप्ता अखिलेश विश्वकर्मा आदि नोटरी अधिवक्ता मौजूद रहे।

तालाब और बंजर के अवैध कब्जे को लेखपाल ने कराया ध्वस्त

बेनीराम कटरा कौशाम्बी चायल तहसील क्षेत्र के बारियावा और उसके मजरा फत्ते का पुरवा की तालाब वा बंजर सरकारी जमीन में गलत तरीके से लोगों ने निर्माण शुरू कर दिया था मामले की जानकारी लेखपाल को हुई तो पुलिस के सहयोग से उन्होंने निर्माण किए जा रहे पिलर आदि को गिरा दिया है। चायल तहसील के ग्राम सभा बरियावां के मजरा फट्टे का पुरवा की बंजर भूमि में रुपेश पासी पुत्र स्वर्गीय गुलाब पासी बंजर जमीन में निर्माण कर रहा था तहसील दार के आदेश पर लेखपाल अंजू सिंह ने मौके पर पहुँच कर पुलिस बल के सहयोग से बना हुआ पिलर को ध्वस्त कर दिया। चायल तहसील के ग्राम सभा बरियावां में देवराज पासी पुत्र स्वर्गीय नानकू उर्फ जोगा ग्राम सभा तालाब की जमीन में निर्माण कर कर रहा था मौके पर अंजू सिंह लेखपाल ने पहुँच कर पुलिस बल के साथ निर्माण को गिरा दिया लेखपाल ने कहा कि अगर दोबारा निर्माण करोगे तो कानूनी कार्यवाही होगी।

हाईकोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या करके बहाल किए गए पंचायत सचिव के मामले में लीपापोती शुरू

कौशाम्बी। जिले के ग्राम पंचायत में बार-बार भ्रष्टाचार करने वाले पंचायत सचिव सतीश चौधरी की रिट याचिका पर हाई कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देश की गलत व्याख्या करके सतीश चौधरी को बहाल कर दिया और सिराथू विकासखंड भेज दिया गया है सवाल उठता है कि हाईकोर्ट के निर्देश के आधार पर सतीश चौधरी के निलंबन की बहाली होनी चाहिए लेकिन हाई कोर्ट के निर्देश के गलत व्याख्या करने के बाद इन्हें बहाली किया गया है और इस बहाली के बाद मामले की शिकायत हुई तो जांच तो शुरू हुई लेकिन अब फिर मामला ठंडा होता दिख रहा है बताया जाता है की लक्ष्मी चंद के दबाव के आगे पूरे मामले में पर्दा डालने का प्रयास हो रहा है शासन से लेकर जिला अधिकारी तक को गुमराह करने से विकास भवन के अधिकारी बाज नहीं आ रहे हैं यदि गलत व्याख्या करके सतीश चौधरी के बहाली के मामले की निष्पक्ष तरीके से फिर जांच हुई तो जहां सतीश चौधरी की मुसीबत बढ़ेगी वहीं इन्हें बहाल करने वाले अफसर के भी गले में फंदा पड़ जाएगा हालांकि जिला विकास अधिकारी का कहना है कि वह इस मामले के फिर से जांच पड़ताल करेंगे और गलत व्याख्या कर इन्हें बहाल किया गया तो इन्हें फिर निलंबित कर देंगे लक्ष्मी चंद के सहारे बहाल होने वाले सतीश चौधरी के हौसले बुलंद है और उन्हें उम्मीद है कि जल्दी उन्हें गांव में तैनाती दे दी जाएगी और वह फिर अपने मनसूबे में सफल होंगे लेकिन उनके मंसूबे सफल होते दिख नहीं रहे है।

सीनियर को धक्का मार कर जूनियर को बनाया गया है डीपीआरओ

कौशाम्बी आखिर योगी सरकार में कौशांबी के डीपीआरओ की तैनाती में शासन के नियमों की अनदेखी क्यों की गई है डीपीआरओ की तैनाती में वरिष्ठता सूची का पालन क्यों नहीं किया गया है कौशांबी जिले में पूर्व से अपर जिला पंचायत राज अधिकारी की तैनाती थी लेकिन उन्हें प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी की जिम्मेदारी नहीं दी गई है बल्कि दूसरे जिले में अपर पंचायत राज अधिकारी अनिल कुमार को कौशांबी जिले का प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी बनाकर जिले का दायित्व दे दिया गया है योग्यता की कमी के चलते यह जिले को संभाल नहीं पा रहे हैं पूरे जिले में भ्रष्टाचार चरम पर है सैकड़ो मामलों की शिकायतें इनके कार्यकाल में हो चुकी है कई मामले में भ्रष्टाचार के आरोप भी प्रमाणित हुए हैं सवाल उठता है कि जब जिले में सीनियर अफसर पहले से मौजूद था तो जूनियर को सीनियर बनाने की क्या जरूरत पड़ गई यदि विभागीय चचाओं पर जाए तो लखनऊ में बैठे पंचायत विभाग के निदेशक ने कुबेर चंद्र के दबाव में इन्हें जिले का प्रभाव दिया है गलत तरीके से जिले के चार्ज पाने वाले जिला पंचायत राज अधिकारी अनिल कुमार कुछ समय में मालामाल होना चाहते हैं अपने कुबेर चंद्र को वह वापस लेना चाहते हैं जिससे उनकी शानो शौकत बनी रहे और किसी अफसर नेता से उनकी हैसियत कम ना हो इसी के चलते वह जिले के भ्रष्टाचार को नहीं रोक पा रहे हैं चारों तरफ भ्रष्टाचार मचा है ग्राम पंचायत में विकास नहीं हो रहे हैं भ्रष्टाचारियों के कारनामों को दबाया जा रहा है लोगों ने सवाल उठाया है कि सीनियर अफसर को किनारे करने के बाद जूनियर अफसर को चार्ज दिए जाने के मामले की जांच कराई जाए और जूनियर को चार्ज से हटा करके सीनियर अफसर को प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी का दायित्व सौपा जाए।

बधाई पूजने मंदिर जा रही महिलाओं के साथ दिनदहाड़े लाखों के जेवर की लूट

युवती की 14 मई को हुई थी शादी, बधाई पूजने निकला था भक्त परिवार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। करारी कस्बे के काली मंदिर में बधाई पूजने जा रही महिलाओं की टोली पर अचानक 10 युवको ने हमला बोलकर लूट पाट शुरू कर दी गयी दिनदहाड़े भीड़ के बीच में मारपीट कर महिलाओं के सोने चांदी के जेवर लूट लिए गए हैं आबादी के बीच दिन दहाड़े लूट की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त है पुलिस की लचर व्यवस्था और बिगड़ती कानून व्यवस्था से आम जनता भयभीत है करारी थाना क्षेत्र के दुगार्पुर पिपरी गांव की शिव पति पत्नी इंद्र पाल 22 मई को महिलाओं की टोली के साथ काली माता के मंदिर बधाई पूजने जा रही थी महिला की बेटी की शादी 14 मई को हुई थी और जब बेटी ससुराल से वापस मायके पहुंची तो शादी की खुशी में महिलाओं की टोली डीजे की धुन पर भक्ति गीत पर नाच रही थी अचानक रास्ते मे लुटेरों की टोलियों ने महिलाओं की टीम पर हमला कर दिया महिलाओं वा बच्चों को ईंट पत्थर से घायल कर दिया हमले में कई लोगों को चोटें आई है कई महिलाओं के साथ लूटपाट की गई कई महिलाओं के सोने चांदी के जेवरात लेकर लुटेरे भाग गए लूटे गए जेवर की कीमत लाखों में बताई जाती है दिनदहाड़े घटना के बाद इलाके में भय और दहशत का माहौल है करारी थाने में घटना की शिकायत हुई है पुलिस मामले की जांच में जुटी है खबर लिखे जाने तक लुटेरे गिरफ्तार नहीं हुए हैं लूटे गए सोने चांदी के जेवरात बरामद नहीं हुआ है जिससे थाना पुलिस की निष्क्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में शादी के बन्धन में बधें 298 जोड़े

बहुरूपिया दूल्हा ढाई फीट का ढाई फीट की दुल्हन के साथ हुई शादी आकर्षण का केंद्र बनी रही

भरवारी कौशाम्बी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत विधानसभा सिराथू एवं विधानसभा चायल क्षेत्र के अन्तर्गत निवास करने वाले व्यक्तियों के पुत्रियों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम गुरुवार को भवन्स मेहता विद्याश्रम भरवारी में सम्पन्न हुआ जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार द्वारा बताया गया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित उ0प्र0 सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल-298 जोड़ां का विवाह संपन्न कराया गया। मुस्लिम जोड़े माही पुत्र सपातुल्लाह निवासी पूरामुफ्ती की शादी सुहैल अहमद दूल्हा पुत्र शहजाद निवासी भदोही के साथ संपन्न हुई तो वही बहुरूपिया दूल्हा ढाई फीट का जितेंद्र कुमार पुत्र शंकर लाल की ढाई फीट की दुल्हन हीरामणि पुत्री अरुण कुमार निवासी बहरिया भरवारी के साथ शादी हुई जो आकर्षण का केंद्र बनी रही सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अव्यवस्थाओं का बोलबाला देखा गया है जहां काफी देर तक कार्यक्रम के आयोजक नहीं पहुंच सके हैं और शादी विवाह के लिए पहुंचे कन्या और वर के साथ-साथ दोनों पक्ष के लोग उमस भरी गर्मी में टेंट के पंडाल के नीचे बेहाल दिखाई पड़े हैं मुख्य अतिथि के देर तक न पहुंचने पर उनकी कुर्सी पर महिला सब इंस्पेक्टर बैठकर मौज मस्ती करते देखी गई है इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना सोनकर, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद भरवारी श्रीमती कविता पासी तथा मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित होकर सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित नव दम्पत्तियों को आशीर्वाद देते हुए नव विवाहित जोड़ों को शुभकॉमनायें दिया।

पेड़ से गिरा अधेड़ हुई दर्दनाक मौत

कड़ा कौशांबी सैनी कोतवाली क्षेत्र के गनपा चकिया गांव निवासी राकेश पाल उम्र 45 वर्ष पुत्र रामकृपाल पाल गुरुवार को आम के पेड़ से आम तोड़ने के लिए वह पेड़ पर चढ़ गया था लेकिन बारिश होने के चलते पेड़ की डाल गीली और चिकनी थी जिससे अचानक उसका पैर पेड़ की डाल से फिसल गया और वह पेड़ से नीचे गिर गया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई है पेड़ से गिरने की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर परिवार के साथ गांव के तमाम लोग पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

परिवहन विभाग स्वीकारते हैं कि दूसरे जिलों से कम है कौशांबी में भ्रष्टाचार

दूसरे जिले में 12 से 16 करोड रुपए महीने की होती है अवैध वसूली कौशांबी में तो 6 करोड़ रुपए महीने की है वसूली

कौशाम्बी। परिवहन विभाग में बढ़ते भ्रष्टाचार के बाद जब विभागीय अधिकारियों से बात की गई तो उनका कहना है कि एआरटीओ कार्यालय कौशांबी अकेले में भ्रष्टाचार नहीं है अफसरो का कहना है कि आप पड़ोसी जनपदों को देखिए 12 करोड़ से 16 करोड रुपए महीने की पड़ोसी जनपदों में वसूली होती है अफसरो का कहना है कि वसूली के मामले में कौशांबी जनपद तो फिसड्डी है बातचीत के दौरान अफसरो ने कह दिया है कि कौशांबी में तो 6 करोड रुपए महीने की अवैध वसूली एंट्री के नाम पर होती है ओवरलोड वाहनों को प्रत्येक महीने अलग-अलग कोड दिया जाता है जिले में लगभग 5000 से अधिक ओवरलोड वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं जिनसे साढ़े चार हजार रुपए महीने की वसूली प्रत्येक महीने होती है इसके अलावा भी तमाम अन्य तरीकों से वाहनों से वसूली होती है बताया जाता है कि मई महीने में ओवरलोड वाहनों को अंडर लोड वाहन का कोड दिया गया था और अंडर लोड वाहन के कोड पर जिले में 5000 वाहनों से साढे चार हजार रुपए महीने की वसूली हुई है इसी जून महीने में ओवरलोड वाहनों से वसूली के एंट्री फीस के लिए अलग कोड जारी किया जाएगा एंट्री फीस की वसूली का प्रत्येक महीने एआरटीओ विभाग द्वारा अलग-अलग कोड जारी करके वसूली होती है इस बात को यह अफसर सहजता के स्वीकार करते हैं उनका कहना है कि पूरे प्रदेश के जिलों में ओवरलोड वाहनों से एंट्री के नाम पर कोड बदलकर वसूली होती है इस बात को परिवहन विभाग के अधिकारी स्वीकार करते हैं कि कौशांबी जिला वसूली के मामले में फिसडी साबित हो रहा है प्रदेश के अन्य जिले में इससे अधिक वसूली होती है उनका कहना है कि प्रयागराज फतेहपुर बांदा चित्रकूट लखनऊ सहित विभिन्न जिलों में 12 करोड़ से 16 करोड रुपए महीने की परिवहन विभाग की वसूली है वसूली में शामिल परिवहन विभाग के अधिकारी इतने मनबढ़ हो गए हैं कि अब वह लखनऊ के अफसर पर भी आरोप लगाने से शर्म संकोच नहीं कर रहे हैं इन अफसरो का कहना है कि लखनऊ के अफसर अन्य जिलों की वसूली बंद करवा दें तो वह कौशांबी की वसूली बंद करवा देंगे बेबाक तरीके से परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार की बात करने वाले परिवहन विभाग के अधिकारी धन्य हैं।

समर कैंप में बच्चों की प्रतिभा निखार रहा है रिद्धि सिद्धि फाउंडेशन

भरवारी, कौशांबी। रिद्धि सिद्धि फाउंडेशन द्वारा संचालित समर कैंप इन दिनों सफलता के साथ पूरे उत्साह से चल रहा है। गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को रचनात्मकता, अनुशासन और जीवन कौशल सिखाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में बच्चे भाग ले रहे हैं।शिविर में बच्चों को निःशुल्क रूप से विभिन्न गतिविधियों जैसे कि चित्रकला, संगीत, नृत्य, योग, खेलकूद, कंप्यूटर शिक्षा, सामान्य ज्ञान व व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षकों की देखरेख में बच्चे नई-नई चीजें सीखकर अपने भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने में जुटे हैं विशेष कार्यक्रमों के अंतर्गत अनुभवी और सम्मानित प्रशिक्षकों के संरक्षण में बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित मनोज के अनुभव से बच्चे शास्त्रीय और आधुनिक संगीत की बारीकियां सीख रहे हैं। दीपक डांस स्टूडियो के ओनर दीपक की ऊजार्वान शैली बच्चों में नृत्य के प्रति उत्साह जगा रही है।ताइक्वांडो की तकनीक शोभित सिंह सिखा रहे है जो बच्चों को आत्मरक्षा व फिटनेस के लिए प्रेरित कर रहे हैं।योगा का अभ्यास संस्कृति त्रिपाठी के निर्देशन में बच्चे तन और मन दोनों को स्वस्थ रखने की कला सीख रहे हैं।गायन का प्रशिक्षण दिव्यांशु जी नृत्य की कोरियोग्राफी शिखा सिखा रही हैं जो बच्चों को मंच पर प्रस्तुति की आत्मविश्वासी शैली सिखा रही हैं।आर्ट एंड क्राफ्ट का प्रशिक्षण सुमन व सपना दे रही है जिनकी रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों की कल्पनाशक्ति को निखार रही हैं।सोशल मीडिया के माध्यम से कार्यक्रम के हर पहलुओं को जन जन तक पहुंचने में नितेश सिंह व विकास पांडेय अहम रूप से योगदान दे रहे है। फाउंडेशन के चेयरमैन व निवर्तमान चायल विधायक संजय कुमार गुप्ता ने अपने संदेश में कहा कि ₹हमारा उद्देश्य सिर्फ शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को एक सकारात्मक और रचनात्मक वातावरण देना है, जिसमें वे अपने अंदर छिपी प्रतिभा को पहचान सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।डायरेक्टर सीमा पवार ने कहा कि हम प्रयास कर रहे हैं कि प्रत्येक बच्चा कुछ नया सीखे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े और अपने भविष्य की नींव मजबूत करे।डिप्टी डायरेक्टर डॉ. मयंक मिश्रा ने कहा कि ₹शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। समर कैंप के माध्यम से हम बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों और रचनात्मकता से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।₹अभिभावकों ने भी इस शिविर की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। समापन अवसर पर एक भव्य प्रतिभा प्रदर्शन समारोह का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें बच्चे अपनी सीखी गई कलाओं का प्रदर्शन करेंगे।समर कैंप में विशेष भूमिका निभा रहे विद्यालय के कॉर्डिनेटर नितेश सिंह व शशांक श्रीवास्तव जी एवं अन्य सहयोगियों में सौरभ सिंह, मधुबन पटेल, दीपक खरवार, रंजीत सिंह, वीर सिंह, शैलेन्द्र सिंह, अनुराग, विकास मणि, मयंक जायसवाल, आशीष, फहाद इत्यादि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

तब क्या होगा, हम देखेंगे...

हम देखेंगे.. लाजिम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज अहमद फैज़ ने ये नज्म साढ़े चार दशक पहले तब लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नज्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के जरिए। दरअसल, जिया-उल-हक की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इकबाल बानो ने सफेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नज्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति 'सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख्त गिराए जायेंगे' गाते ही भीड़ ने 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक्त से यह नज्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी-प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों-हाथ ले लिया और इस नज्म ने जनगीत की शक्ल अख्तियार कर ली।

बरसों-बरस यह नज्म जलसों-जुलूसों, धरने-प्रदर्शनों, बैठकों-सभाओं में गायी जाती रही। सरकारें आती-जाती रहीं, इस रचना में किसी को कोई बुराई नजर नहीं आई। लेकिन फिर 2019 आया जब बाकी देश की तरह आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए-एनआरसी) के विरोध में इकठ्ठा हुए और यह नज्म गायी। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस नज्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान के निदेशक को शिकायत की कि यह नज्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फैज़ की यह नज्म हिंदू विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था। लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अत्यधिक चर्चित और पुरस्कृत मराठी फिल्म 'कोर्ट' के अभिनेता वीरा साथीदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2021 में महज 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फिल्म 'कोर्ट' में उन्होंने नारायण कांबले का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में 'हम देखेंगे...' नज्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन-फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साथीदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। शिकायत में कहा गया है कि फैज की कविता में 'सिंहासन हिलाने' और 'तानाशाही के दौर' जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब पहलगाम हादसे के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुझक्कड़ ही बता सकता है कि सालों से गायी जा रही एक नज्म या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्ता हो सकता है- खासतौर से तब, जब वह नज्म किसी देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो।

भीतर के दुश्मनों के खिलाफ सख्ती-चौंकसी बढ़ानी होगी

- ललित गर्ग-

पाकिस्तान भारत के अनेक लालची, शानोशौकत के आकांक्षी, देशद्रोही एवं देश के दुश्मन लोगों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ प्रचार और जासूसी गतिविधियों के लिए कर रहा था। ऐसे ही कुछ देश विरोधी तत्वों का पदार्फाश होना चौंकाता भी है एवं चिन्ता में भी डालता है। ऐसे ही तत्वों में एक नाम है ज्योति मल्होत्रा, उस पर आरोप है कि वह न केवल सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की सकारात्मक छवि पेश कर रही थी, बल्कि उसने पाक खुफिया एजेंसी के एजेंटों से भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां भी साझा कर रही थीं, जिनमें ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी गोपनीय जानकारियां भी थीं। वह एक खुफिया एजेंट के रूप में सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत की मिट्टी पर छिपे गद्दार कितनी भी चालाकी से छिप जाएं, वे कानून की नजरों से नहीं बच सकते। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके। ह्यऑपरेशन ह्यसिंदूरह्ण ने न सिर्फ सरहद पार बैठे दुश्मनों की नींद हराम कर दी है, बल्कि देश के भीतर बैठे गुप्त गद्दारों की भी कमर तोड़ दी है। हाल ही में लगातार ऐसे अनेक राष्ट्र-विरोधी जासूसों की गिरफ्तारी ने जता दिया कि भारत हर मोर्चे पर देश की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। ये गिरफ्तारियां अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण एवं यह भी पाक की एक करारी हार ही है।

पाक के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा समेत छह लोगों की खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गयी गिरफ्तारी भारत की सतर्कता एवं सावधानी को तो दशार्ती ही है, इससे यह भी स्पष्ट होता है कि इस चुनौती भरे समय में भीतर के दुश्मनों की शिनाख्त एवं उनकी धडपकड़ कितनी जरूरी है। ह्यट्रैवल विद जोह्न नाम से यू-ट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति पर आरोप है कि वह पाक के कई उच्च अधिकारियों के संपर्क में थी और भारत से जुड़ी गुप्त सूचनाएं पाक तक पहुंचाती थी। पता यह भी चला है कि पाक यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात पाक उच्चायोग के एक कर्मचारी दानिश से हुई, जिसके माध्यम से उसकी पहचान आइएसआइ के एजेंटों से हुई। ज्योति इन एजेंटों के साथ व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचौट के जरिये संपर्क में थी। कहते हैं कि उसने एक पाक खुफिया अधिकारी के साथ गहरे संबंध बनाये और उसके साथ बाली भी गयी थी। ज्योति एवं उसके सहयोगी बेखौफ भारत की अति-संवेदनशील एवं गोपनीय सूचनाओं को पाक से साझा करते हुए देश को नुकसान पहुंचा रहे थे। ये सभी आम नागरिकों की तरह जिंदगी जी रहे थे, लेकिन इनके इरादे राष्ट्रविरोधी थे। देश की कीमत पर सारे राष्ट्र-मूल्यों एवं निष्ठाओं को ताक पर रखकर धनार्जन की लालसा और मौज-मस्ती का लक्ष्य घिनौना एवं अक्षम्य अपराध है। राष्ट्र को इन विस्फोटक विसंगतियों से बचाना होगा। भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान एवं चिन्ता में डालने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा सकते हैं? देश के भीतर के ये दुश्मन बाहरी दुश्मनों से ज्यादा घातक एवं नुकसानदेय हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के इन लोगों की गिरफ्तारी ने

कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। लेकिन इनकी गहन जांच से और भी गंभीर खुलासे होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। इन लोगों के तार भीतर कहां-कहां जुड़े है, इसका पदार्फाश होना ज्यादा जरूरी है। ये तत्व देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव एवं आम-जनजीवन को भी खतरे में डाल सकते हैं।

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। एक से अधिक बार पाकिस्तान जा चुकी ज्योति पर खुफिया अधिकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कई वीडियोज ने भी खुफिया एजेंसियों का ध्यान खींचा, चाहे वह नयी दिल्ली स्थित पाक दूतावास में इफ्तार की दावत का वीडियो हो, पिछले साल हुए विश्व कप में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतिक्रिया वाला वीडियो हो या कश्मीर घूमने आये लोगों पर बनाये गये वीडियो हों। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, ज्योति को दुबई के एक कथित हैंडलर के माध्यम से भुगतान किया जाता था।

यह खुलासा केवल ज्योति तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि इसके जरिये एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश हुआ है उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्त्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? इन बातों का खुलासा होना सुरक्षा एवं सैन्य गोपनीयता की दृष्टि से ज्यादा जरूरी है। गिरफ्तार सभी अपराधियों को गंभीर पूछताछ के बाद कठोर सजा मिलनी चाहिए। दुश्मन चाहे देश के अंदर हो या बाहर उनके प्रति मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति निरंतर सख्ती के साथ कार्यरत रहनी ही चाहिए। सरकार और खुफिया एजेंसियां अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय संदिग्ध तत्वों की निगरानी और जांच को और तेज करने की दिशा में स्वाभाविक ही काम कर रही है। सरकार ने इन गिरफ्तारियों के बाद स्पष्ट संदेश दिया है कि राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के तहत अब तक देशभर में दर्जनों संदिग्धों को निगरानी में लिया गया है और जांच तेज है।

निश्चय ही यह राष्ट्र-विरोधी जासूसों का खुलासा पाक रचित राष्ट्रघाती खेल का छोटा हिस्सा है, पाक सीधा युद्ध की सामर्थ्य एवं ताकत नहीं रखता, इसलिये कभी वह आतंक का सहारा लेता है तो कभी पैसों का प्रलोभन देकर देश के लोगों को खरीदने की कुचेष्टा करता है। एक छलकपट वाले सूचना युद्ध के माध्यम से देश को नुकसान पहुंचाने की आईएसआई की साजिश को सख्ती से नाकाम किया जाए ताकि आने वाले समय में और बड़ी मछलियां इस दलदल में पकड़ी जा सकेंगी। पाक तो भारत का शत्रु है और वह सामने दिखाई दे रहा है, लेकिन देश के अंदर छिपे गद्दार भी भारत के शत्रु हैं। इस तरह के गद्दारों को चिन्हित करके उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। पाक का समर्थन करने वाले खालिस्तानी आतंकवादी हैं, कश्मीर में भी ऐसे लोग है जो पाक एवं उसके पोषित आतंवादियों का सहयोग एवं समर्थन करते हैं। ऐसे राष्ट्र-विरोधी लोगों एवं आतंकवादियों का सिर कुचलने का, यही सही समय है। केंद्र व राज्य सरकारों, मीडिया और जनता को मिलकर ऐसे तत्वों को बेनकाब करने में मदद करनी चाहिए। पुलिस को आधुनिक उपकरणों के साथ इस बाबत कुशल प्रशिक्षण देना चाहिए।

आमिर पठान के लिए दो मिनट का मौन!

- सुभाष गाताडे

वैसे पूरे मुल्क में पसर रहे इस उन्माद में क्या कभी कोई कमी आएगी? ताकि किसी भी सामाजिक या धार्मिक अल्पसंख्यक के लिए इस बात की गारंटी होगी कि वह भी इस गणतंत्र का बराबर का नागरिक है, यह मसला अब विचारणीय हो चला है। फिलवक्त इस बात की भविष्यवाणी मुश्किल जान पड़ती है! यह कह सकते हैं कि समूचे समाज को एक अजीब किस्म की जड़ता, संज्ञाहीनता ने जकड़ लिया है, गोया समूचा समाज सुन्न हो चला है।

लातूर, सूबा महाराष्ट्र के मराठवाडा इलाके के शहर- जो अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर है- की जिन्दगी अब बदस्तूर सामान्य हो गयी होगी।

बमुश्किल दो सप्ताह पहले शहर के एक हिस्से में कुछ अधिक सरगर्मी थी, जिसकी फौरी वजह एक टेलिकॉम कम्पनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी द्वारा अचानक की गयी खुदकुशी थी, गौरतलब था कि इस वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कथित तौर पर रोड रेज की एक घटना के बाद- जिसमें उसे सांप्रदायिक गालियों का शिकार होना पड़ा था- दूसरे दिन खुदकुशी की थी।

हुआ यही था कि एक कारचालक जो कथित तौर पर पत्रकार था उसकी गाड़ी एक टू व्हीलर वाले से टकरा गयी। आम तौर पर जैसे होता है कारचालक उतरा और उसने उस मसले को वही 'निपटाना' चाहा और दुपहिया चालक को धमकाने की कोशिश की। सड़क पर बढ़ते इस विवाद में जब उसे पता चला कि दुपहिया चालक आमिर पठान नामक शख्स है तो वह कथित तौर पर अधिक आक्रामक हो चला और उसने उसे यह तक पूछ डाला कि क्या वह 'पाकिस्तानी है या कश्मीरी है'। कारचालक इतना दबंग था कि वह उस पूरे विवाद को रेकार्ड भी करता रहा और उसने दुपहिया चालक को यह कहते हुए भी धमकाया कि वह इस पूरे विवाद को इंटरनेट पर अपलोड कर देगा। टेलिकॉम कम्पनी का वह उच्च अधिकारी इस पूरे प्रसंग

से इतना हताश हो चला कि डिप्रेशन में चला गया और इस बात की डर से कि उसे सड़क पर प्रताड़ित करने का विडियो आनलाइन हो जाएगा, उसने दूसरे दिन शाम को आत्महत्या की।

जाहिरा तौर पर सड़कों पर होने वाली रोजमर्रा की तमाम घटनाओं की तरह जहां लोगों की असभ्यता और दबंगई खुल कर सामने आती है , यह घटना भी भुला दी जाती लेकिन सड़क पर सांप्रदायिक गालीगलौज और प्रताड़ित करने के इस प्रसंग का एक किस्म से अप्रत्यक्ष गवाह आमिर की पत्नी बनी, जब धाराशिव के प्राइवेट बैंक में कार्यरत आमिर की पत्नी समरीन ने इस घटना के दौरान ही उसे कॉल किया था, यह बताने के लिए कि वह अगले संविधान चैक पर खड़ी है और दोनों वहीं से साथ घर चलेंगे। फोन पर इसी संभाषण के दौरान उसने एक अजनबी आवाज को सुना था जो उसके पति को धमका रहा था.

आमिर पठान की मृत्यु हुए दो सप्ताह हो गए है।

इस पूरे प्रसंग में आखिरी बात यही सुनने को मिली थी कि समरीन ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है, जिसमें प्रताड़ित करने वाले व्यक्ति का नाम और गाड़ी नम्बर में लिखा है, मगर पुलिस ने एक तरह से बिना किसी व्यक्ति का नाम दर्ज किए रिपोर्ट दर्ज की है। उसका यह भी कहना है कि घटना को लेकर कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है कि फलां व्यक्ति के चलते मुझे आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा और घटना का कोई गवाह भी सामने नहीं आया है।

इस बात की भविष्यवाणी करने मे कोई मुश्किल नहीं होगी कि समरीन के सामने न्याय पाने का एक बेहद लम्बा और लगभग अकेला रास्ता पड़ा है, क्या उसे न्याय मिल सकेगा?

गौरतलब है कि आमिर पठान को सड़क पर सरेआम जिस प्रताड़ना से गुजरना पड़ा भारत की सड़कों की आम परिघटना हो चली है, जहां अक्सर हम यह भी सुनते हैं कि ऐसे घटना की परिणति आपसी मारपीट यहां तक कि कई बार हत्या तक पहुंचती है। आमिर के साथ उसकी धार्मिक पहचान का पहलू भी जुड़ गया।

ढेर सारी रिपोर्टें प्रकाशित हुई हैं कि 21 वीं सदी की इस तीसरी दहाई में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए हिन्दोस्तां के अंदर एक सम्मान का जीवन जीना और समान नागरिक के तौर पर अपनी जिन्दगी बिताना अधिकाधिक मुश्किल हो चला है। विश्लेषकों ने इस बात को भी रेखांकित किया है कि सत्ता के उच्चपदस्थ लोग भी अपने वक्तव्यों और मौन से ऐसी कार्रवाइयों को हवा देते हैं। कुछ साल पहले सत्ता पर बैठे ऐसे ही व्यक्तियों द्वारा उन्हें 'कपड़ों से पहचाने जाने वाले', 'चार-चार शादियां करने वाले' के तौर पर लांछन लगाते सुना गया था।

आमिर के साथ जिस दिन यह हादसा हुआ, वह वही दौर था जब पहलगाम आतंकी हमला हो चुका था और देश भर से यह खबरें भी आ रही थीं कि किस तरह भारत में कश्मीरियों और मुसलमानों पर हमले की घटनाओं में उछाल आया था।

विभिन्न नागरिक अधिकार संगठनों ने ऐसी घटनाओं का बाकायदा दस्तावेजीकरण भी किया है और ऐसे मामलों की सूची तक पेश की है कि किस तरह देशभर में नफरती हमले हुए, लोगों को मारा पीटा गया, कहीं-कही हत्याएं भी हुई।

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन आफ सिविल राइटस ने अपनी रिपोर्ट में ऐसे '184 मामलों की सूची बनायी है जहां देश भर में मुस्लिमों के खिलाफ नफरती हिंसा हुई, उन्होंने 22 अप्रैल 2025 से 8 मई 2025 में मीडिया में प्रकाशित ऐसी रिपोर्टों को अपना आधार बनाया है। उनके मुताबिक ऐसी घटनाओं में 84 घटनाएं नफरती वक्तव्यों की थी, 39 हमले की घटनाएं थी, 19 घटनाओं में अल्पसंख्यकों के मकानों या दुकानों को आग के हवाले किया गया और हत्या की तीन घटनाएं थीं।

हम यह भी पाते हैं कि 'पहलगाम की प्रतिक्रिया' के नाम पर मुसलमानों पर ऐसे व्यक्तिगत, स्वतःस्फूर्त हमलों के अलावा, धर्मांध ताकतों ने- जो हिन्दुत्व वर्चस्ववादी संगठनों से ताल्लुक रखती हैं या उनके निर्देश पर काम करती है , उन्होंने देश भर ऐसे कारनामे किए ताकि देश का सांप्रदायिक माहौल और बिगड़ जाए, आपसी दंगे शुरू हो, गनीमत यही थी कि आम लोग उनके बहकावे में नहीं आए।

आमिर पठान की मौत की खबर जल्द ही भुला दी जाएगी। 'चिर बैरी पाकिस्तान' के साथ युद्ध के अधबीच में ही समाप्त हो जाने और जिसके लिए राष्ट्रपति ट्रम्प की कथित मध्यस्थता की खबर से आहत प्रबुद्ध समाज के एक बड़े हिस्से के लिए लातूर की यह अदद मौत क्या मायने रखती है?

अंधेर नगरी : फंदे के लिए गर्दन

- सर्वमित्रा सुरजन

इस सारे प्रकरण में ध्यान गुनहगारों को पकड़ने से ज्यादा फंदे के लिए गर्दन तलाशने पर था और गर्दन अल्पसंख्यक की हो तो इंसाफ का जोर जरा ज्यादा दिखाई देगा। प्रो. अली खान महमूदाबाद की बड़ी सी पोस्ट में पाकिस्तान के आतंकवाद पोषण की आलोचना की गई है, फिर ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना की तारीफ है कि उसने नागरिकों को निशाना नहीं बनाया। इसके बाद युद्ध की मुखालफत की गई है।

अंधेर नगरी चौपट राजा नाटक में फांसी का फंदा बड़ा और कोतवाल की गर्दन छोटी होने के कारण मोटे-तगड़े गोर्वधन दास को फांसी पर चढ़ाने की तैयारी कर ली जाती है। क्योंकि राजा को तो बकरी के मरने पर इंसाफ करना है। इसलिए जिसकी गर्दन फंदे के नाप की हो, उसे ही सिपाही ढूंढ कर ले आए। हालांकि गुरुजी ऐन मौके पर आकर अपने चेले गोर्वधन दास को बचा लेते हैं और मूर्ख राजा स्वर्ग जाने की इच्छा लिए खुद फांसी चढ़ जाता है, इस तरह अंधेर राज समाप्त होता है। मगर क्या वाकई अंधेरगर्दी खत्म हुई है। विवेकहीन शासक और निरंकुश प्रशासन की पोल खोलते इस व्यंग्यात्मक प्रहसन को भारतेंदु हरिश्चंद्र ने एक ही दिन में लिख दिया था। वे उच्च कोटि के लेखक थे, लेकिन इस रचना और आज के वक्त को देखकर लगता है कि उनकी दूरदृष्टि भी गजब की थी। 1881 में जब यह नाटक लिखा गया, तब अंग्रेजी हुकूमत थी और भारत आजादी की लड़ाई के लिए पहला बिगुल फूंक चुका था। इस लड़ाई में हिंदू-मुसलमान सब साथ थे और मुकाबला अंग्रेजों से था।

अब अंग्रेजों को गए सात दशक से अधिक वक्त बीत चुका है। भारत आजाद हो गया है, उससे अलग होकर पाकिस्तान बन गया, दोनों देशों के बीच चार युद्ध हो गए हैं, लेकिन सीमा के आर-पार आम जनता अब भी विवेकहीन शासन की अंधेरगर्दी देख रही है। पाकिस्तान में तो अब फिर से सैन्य शासन की आहट सुनाई दे रही है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मात मिली है, लेकिन दुनिया में वह अलग कहानी सुनाने में लगा है। शाहबाज शरीफ ने जिस तरह युद्धविराम के बाद लगभग डींग हांकने के अंदाज में अपनी विजयगाथा दुनिया को बताई और भर-भर के अपनी सेना की तारीफ की, उससे समझ आता है कि पूरा भाषण पहले से लिखकर उन्हें पढ़ने दिया गया। अब पाक सेनाप्रमुख जनरल आसिम मुनीर की तरक्की कर उन्हें फील्ड मार्शल बना दिया गया है। इससे पहले पाकिस्तान में एक ही फील्ड मार्शल थे, जनरल अयूब खान। अयूब खान की वजह से पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही आई। अब क्या पाकिस्तान फिर सैन्य तानाशही की तरफ बढ़ रहा है, यह सवाल उठ रहे हैं। इधर पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश में भी सेना का दबदबा बढ़ रहा है। शेख हसीना से सत्ता छीनने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया बने मोहम्मद यूनुस और देश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमान के बीच दरार बढ़ती जा रही है। जनरल जमान चुनावों की तारीख जल्द घोषित करवाना चाहते हैं, और मो.यूनूस इसे टाल रहे हैं। ऐसे में जनरल जमान ने कमांडरों की बैठक बुलाई है और माना जा रहा है कि फिर से तख्तापलट हो सकता है। लोकतंत्र को नकारने, बहुलतावाद की उपेक्षा करने और कट्टरपंथ पर चलने का क्या अंजाम होता है, इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश की जनता से बेहतर कौन जानता होगा। लेकिन क्या भारत की जनता जानती है कि उसकी बेहतरी किसमें है। क्योंकि अभी जो माहौल बन चुका है, वह बिल्कुल वैसा ही है, जिसका वर्णन 1881 में भारतेंदुजी ने किया था। पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, निर्दोष लोग मारे गए। सरकार से इंसाफ की गुहार लगाई गई। 14 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर हुआ। उसमें सफलता मिल ही रही थी कि अचानक अमेरिका के कहने पर युद्धविराम हो गया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आया बाइक सवार हुई मौत

गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के पड़ाव स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल बाइक सवार की मौत हुई। घटना के बारे में बताया जाता है कि सुरियावां थाना क्षेत्र के कन्ती रामपुर निवासी उमेश विन्द 30 वर्ष पुत्र राजेश विन्द अपनी मां के साथ कोतवाली क्षेत्र के जौहरपुर गांव अपने मौसी के घर में वैवाहिक समारोह में सम्मिलित होने आए थे, हल्दी की रस्म में मां को पहुंचाकर बीते देर रात बाइक से अकेले घर वापस

लौट रहे थे जैसे ही बाइक पड़ाव स्थित पंडित गुलाबधर मिश्र इंटरमीडिएट कॉलेज के पास पहुंची थी इस दौरान किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए, गायलावस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया गया जहां से वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। वाराणसी में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। बताया जाता है मृतक दो भाई में बड़ा था जिसको एक पुत्र का होना बताया जा रहा है मृतक परदेश में रहकर चालक का कार्य कर परिवार का जीवीकोपार्जन चलाता था, युवक की मौत की सूचना मिलने पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल रहा। परिजन पुलिस को घटना की सूचना दे दिए है।

फैमिली आईडी कैंप में उमड़ा जनसैलाब, लाभार्थियों में जागरूकता और उत्साह

गाजीपुर। जनपद के विकासखंड मुहम्मदाबाद सभागार में गुरुवार को "एक परिवार, एक पहचान" योजना के अंतर्गत फैमिली आईडी के लिए विशेष पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें पारदर्शी व सुलभ तरीके से लाभ दिलाना रहा।

विकासखंड अधिकारी यशवंत राव की अगुवाई में आयोजित इस कैंप में सभी ग्राम सचिवों की सक्रिय

भागीदारी रही। क्षेत्र के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आवश्यक दस्तावेजों के साथ फैमिली आईडी के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। शिविर में पंजीकरण प्रक्रिया को लेकर नागरिकों में विशेष रुचि और उत्साह देखने को मिला।

इस मौके पर यशवंत राव ने बताया कि फैमिली आईडी एकीकृत प्रणाली है, जो प्रत्येक पात्र नागरिक को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का माध्यम बनेगी। इससे न केवल पात्रता की पुष्टि में पारदर्शिता आएगी, बल्कि योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक समय पर पहुंच सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल इंडिया और सबका विकास जैसे संकल्पों को साकार करने की दिशा में यह एक प्रभावी कदम है।

शिविर में क्षेत्र के प्रमुख नागरिकों जैसे बृजेश प्रधान (सुल्तानपुर), विनोद प्रधान, धनंजय, पियूष कान्त राय, और कृष्ण कुमार की उपस्थिति से कार्यक्रम को और भी सार्थकता मिली। जनभागीदारी और उत्साह को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि यह शिविर सफल और प्रेरणादायक रहा।

समापन पर स्थानीय प्रशासन और नागरिकों ने इस पहल को एक महत्वपूर्ण जनहितकारी प्रयास बताते हुए इसकी सराहना की।

आंधी-तूफान में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर युवक की दर्दनाक मौत

- पांच बेटियों के सिर से उठा पिता का साया
- आर्थिक सहायता की उठी मांग
- सीएम योगी ने व्यक्त किया दुख

अखंड भारत संदेश

घुरेहटा में शव का पंचनामा कराती रैपुरा पुलिस

चित्रकूट। जिले के रामनगर क्षेत्र की ग्राम पंचायत घुरेहटा में सोमवार रात्रि कुदरत का कहर ऐसा टूटा कि एक परिवार हमेशा के लिए मातम में डूब गया। अचानक आई आंधी-पानी व गरजते बादलों के बीच आकाशीय बिजली ने एक 32 वर्षीय युवक रामबदन पुत्र शिवभजन की जान ले ली। बताया गया कि वह घर के बाहर चारपाई पर लेटा हुआ था, तभी तेज आवाज के साथ गिरी आकाशीय बिजली ने उसे मौके पर ही मौत की नींद सुला दिया। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। पत्नी प्रेमा देवी बेसुध हो गई और मासूम बेटियों की चीखें हर किसी की आंखें नम कर गईं। रामबदन के पांच बेटियाँ- शिवानी (10), शिवदेवी (8), रितिका (6), राधिका (4) और महक (6 माह) हैं, जो अब पिता की छाया के बिना जीवन जीने को मजबूर हैं। यह दृश्य इतना हृदय विदारक था कि गांव का हर शख्स गमगीन नजर आया।

सूचना पर पहुंची रैपुरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, इस दर्दनाक हादसे की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंची, जिन्होंने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतक के परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है। अब पूरा गांव शासन-प्रशासन से पीड़ित परिवार की आर्थिक सहायता और अनाथ बच्चियों के भविष्य की सुरक्षा की मांग कर रहा है।

जिसे समझा था साया, वो तूफान बन गया : आनंद को हल्के में लेना, प्रशासन को भारी पड़ गया

निरंजन पाण्डेय

- मऊ कांड पर सीएम स्ट्राइक जारी
- अफसरशाही में मची अफरा-तफरी

चित्रकूट। मऊ कांड में जिस तरह से एक-एक कर अफसरों की कुर्सियाँ खिसक रही हैं, उससे साफ है कि सत्ता के गलियारों से कोई गंभीर संदेश जारी हो चुका है। सबकुछ एक तय रणनीति के तहत होता नजर आ रहा है और अब हर किसी की जुबान पर यही सवाल है- अब अगला नंबर किसका? दरअसल, 25 अप्रैल की शाम मऊ थाने में एक नाबालिग के साथ कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट किए जाने का आरोप सामने आया था। इस अमानवीय घटना पर तत्कालीन पूर्व विधायक ने तीखा विरोध दर्ज कराया था, लेकिन सत्ता में होने के बावजूद उनकी आवाज को न सिर्फ अनसुना किया गया, बल्कि जिले की आला कमान ने पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया।

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। मामला शांत होता उससे पहले ही भाजपा जिलाध्यक्ष लखनऊ में सीएम योगी से मिले। यह मुलाकात मऊ कांड के घटनाक्रम में टर्निंग पॉइंट साबित हुई। सीएम से मुलाकात के बाद जैसे ही जिलाध्यक्ष चित्रकूट लौटे, वैसे ही मऊ थाने के प्रभारी पर तत्काल कार्यवाही की गई और उन्हें हटाकर लाइनहाजिर कर दिया गया। लेकिन यह शुरूआत मात्र थी। सत्ता की तरफ से जारी यह पहला झटका था, जो अब पूरे अफसरशाही पर भारी पड़ता दिख रहा है।

इसी कड़ी में अब जांच अधिकारी एएसपी को भी स्थानांतरित कर दिया गया है। यानी मऊ कांड से जुड़ी एक और विकेट गिर चुकी है। अब अफसरों में दहशत है, चुप्पी है, और सबसे बड़ी बात- अनिश्चितता है। हर आंख इसी सवाल की तरफ उठ रही है कि अगला नंबर किसका होगा? क्या अब किसी और उच्चाधिकारी की बारी है? जो भी हो, यह स्पष्ट हो चुका है कि सत्ता की नींद भले देर से खुली हो, लेकिन जागने के बाद उसका असर चौंकाने वाला है। और मऊ जैसे संवेदनशील मामले में लापरवाही करने वालों को एक-एक कर जवाबदेह बनाया जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि सीएम ऑफिस से जारी साइलेंट ऑर्डर के तहत मऊ प्रकरण से जुड़े अन्य नामों की भी लिस्ट तैयार हो चुकी है। अब यह तय है कि हर कुर्सी पर बैठा अफसर आज इस डर से कांप रहा है-अब अगला नंबर कहीं मेरा तो नहीं?

मंदाकिनी के किनारे कार्यवाही से मचा हड़कंप बहादुरपुर में आबकारी टीम की दबिश

- 40 लीटर कच्ची शराब बरामद
- 400 किलो लहन किया गया नष्ट

अखंड भारत संदेश

कच्ची शराब व लहन को नष्ट करती आबकारी टीम

चित्रकूट। आबकारी विभाग ने रविवार को थाना कोतवाली कर्वी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बहादुरपुर, जगदेव दास का अखाड़ा में बड़ी कार्यवाही करते हुए कच्ची शराब के कारोबार पर करारा प्रहार किया। मंदाकिनी नदी के किनारे चल रहे इस अवैध धंधे पर दबिश देकर विभाग ने न केवल 40 लीटर कच्ची शराब बरामद की, बल्कि मौके पर मौजूद करीब 400 किलोग्राम लहन को भी नष्ट कर दिया गया।

आबकारी अधिकारी प्रफुल्ल सिंह ने बताया कि विभाग को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि नदी किनारे अवैध शराब का धंधा फल-फूल रहा है। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए आबकारी निरीक्षक के नेतृत्व में टीम गठित की गई और तय योजना के तहत छापेमारी की गई। अभियान के दौरान मौके पर तात्कालिक रूप से शराब बनाने के उपकरण और बड़ी मात्रा में कच्ची शराब पाई गई। जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए। टीम ने लहन को वहीं नष्ट कर नदी तट को शराबमुक्त करने की कार्यवाही की। इस मौके पर सिपाही सागर, सरताज खान, लालचंद, दुष्यंत, अकरम, महिला सिपाही रंजना सिंह, होम गार्ड भौंरी देवी, हेड सिपाही अनिल कुमार मौजूद रहे।

हर डिपो में लगेगा रोजगार मेला, 31 मई व 9 जून को होगी चालक भर्ती : एआरएम

चित्रकूट। परिवहन विभाग चित्रकूट द्वारा जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए 31 मई एवं 9 जून 2025 को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हर डिपो स्तर पर चालक पदों की भर्ती की जाएगी। यह जानकारी चित्रकूट डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) राजेश कुमार गुप्त ने एक औपचारिक भेंटवार्ता में साझा की गई। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा प्रशिक्षित चालकों को अवसर देने के उद्देश्य से यह मेला आयोजित किया जा रहा है, जिससे न केवल बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा बल्कि परिवहन सेवाएं भी सुदृढ़ होंगी। आगे बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथियों पर अपने संबंधित डिपो में संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। विभाग द्वारा चयन की प्रक्रिया मौके पर ही पूरी की जाएगी और योग्य अभ्यर्थियों को तत्काल नियुक्ति पत्र भी दिए जाएंगे। रोजगार मेले के दौरान परिवहन विभाग की टीम आवश्यक परीक्षणों एवं दस्तावेजों की जांच के बाद पारदर्शी तरीके से चयन करेगी। बताया कि यह अवसर विशेष रूप से उन चालकों के लिए लाभकारी होगा, जो पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और सरकारी परिवहन सेवा से जुड़ना चाहते हैं।

प्लास्टिक वालों सुन लो पुकार... माँ मंदाकिनी नहीं बनेगी कचरे का भंडार

- नदी नहीं, चित्रकूट की आत्मा है मंदाकिनी
- अभय महाजन का तीन दिवसीय जनसंग्राम

अखंड भारत संदेश

मां मंदाकिनी की स्वच्छता पर अभियान चलाने को वार्ता करते अभय महाजन

चित्रकूट। जिले की आत्मा मानी जाने वाली माँ मंदाकिनी आज स्वयं अपने ही आंचल को बचाने के लिए पुकार रही हैं। सदियों से तपस्वियों की साधना, रामभक्तों की आस्था और तीर्थयात्रियों के श्रद्धा-स्नान की साक्षी रही यह नदी अब प्रदूषण की मार झेल रही है। निर्मलता व अविरलता की प्रतीक यह जलधारा धीरे-धीरे अपवित्र होती जा रही है। इसी चिंता को केंद्र में रखकर दीनदयाल शोध संस्थान ने 24 से 26 मई तक तीन दिवसीय माँ मंदाकिनी स्वच्छता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें साधु-संत, समाजसेवी, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय जन भागीदारी निभाएंगे।

24 मई को लोहिया सभागार, उद्यमिता विद्यापीठ में संगोष्ठी का आयोजन कर योजना की दिशा तय की जाएगी, जबकि 25 और 26 मई की सुबह रामघाट व राघव प्रयाग घाटों पर सामूहिक स्वच्छता अभियान और जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस पुनीत कार्य में उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ मोहन नागर जैसे दिग्गज शामिल होंगे। इसकी संपूर्ण रूपरेखा राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन द्वारा तैयार की गई है। जनमानस से अपील की गई है कि श्रद्धालु तथा स्थानीय नागरिक माँ मंदाकिनी में साबुन-शैम्पू का प्रयोग न करें, प्लास्टिक व थर्मोकोल से परहेज करें, भंडारों में पत्तों से बने दोना-पत्तल अपनाएं तथा नदी के किनारे वृक्षारोपण कर उनके संरक्षण में सहभागी बनें। करोड़ों भक्तों की आस्था की केंद्र यह नदी अब हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बन चुकी है।

राजनीतिक जमीन पर कांग्रेस की नई बिसात, चित्रकूट बना गवाह

- कांग्रेस ने भरी संगठन सृजन की हुंकार
- कांग्रेस उतरी मैदान में गांव-गांव

अखंड भारत संदेश

जिला कोऑर्डिनेटर को सम्मानित करते जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष

चित्रकूट। जिले की पुरानी बाजार स्थित एक लॉज में कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित महत्वपूर्ण बैठक ने राजनीतिक हलकों में नई हलचल पैदा कर दी। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने की, जिसमें प्रदेश से आए दोनों जिला कोऑर्डिनेटर आदित्य स्वरूप पांडे व दिनेश यादव विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में पार्टी को गांव-गांव तक फिर से मजबूत करने का संकल्प दोहराया गया। आदित्य स्वरूप पांडे ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व- मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और अजय राय के निर्देश पर उन्हें चित्रकूट भेजा गया है, ताकि वे जमीनी कार्यकताओं के साथ मिलकर 40 दिनों में संगठन को न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर तक मजबूत कर सकें।

कोऑर्डिनेटर दिनेश यादव ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी अब सिर्फ शहरों या मंचों की पार्टी नहीं रह सकती। यदि लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा करनी है, तो कांग्रेस को हर गांव में मजबूती से खड़ा करना होगा। गांव-गांव चौपालें लगेंगी, हर समुदाय को कांग्रेस से जोड़ा जाएगा, और संगठन की रीढ़- बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी की जाएगी। जिला अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने दोनों कोऑर्डिनेटरों का स्वागत करते हुए कहा कि आज जब लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिशें हो रही हैं, तब कांग्रेस को मजबूत करना वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। जोर दिया कि राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और नेहरू की विरासत को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव जाएं और जनता से सीधे संवाद करें। बैठक में पीसीसी सदस्य रंजना बराती लाल पांडे, अवधेश करवरिया, महेंद्र सिंह, सविता पाल, शिव गुलाम वर्मा, विजय मणि त्रिपाठी, कालीचरण राजपूत, विनय सिंह, भगवान दिन दुबे, सत्येंद्र सिंह, अनिल गुप्ता, ज्ञानमती वर्मा, अरुण गुप्ता, वीरेंद्र सिंह, अजीत शुक्ला, राजेश सिंह समेत दर्जनों कांग्रेसी शामिल रहे।

पिछड़े वर्ग के युवाओं को मुफ्त कंप्यूटर ट्रेनिंग का सुनहरा मौका

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछड़ा वर्ग के युवाओं को डिजिटल युग से जोड़ने के लिए जबरदस्त पहल की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में ओबीसी वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को ओ लेवल व सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण देने के लिए योजना फिर से शुरू हो गई है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सुनहरी लाल ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया 13 मई से 27 मई तक ऑनलाइन चलेगी। भारत सरकार की संस्था नीलिट से मान्यता प्राप्त संस्थाएं ही इस प्रशिक्षण को संचालित करेंगी। इच्छुक अभ्यर्थी संबंधित वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह योजना युवाओं को कंप्यूटर की दुनिया में दक्ष बनाकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के लिए तैयार करेगी। आवेदन करने वाली संस्थाओं को निर्धारित प्रारूप में सभी दस्तावेजों की हार्ड कॉपी 27 मई तक लखनऊ व चित्रकूट के जिला कार्यालय में जमा करनी होगी।

मानवता के प्रकाशपुंज डॉ बीके जैन को विजनरी इंडियन अवॉर्ड

अभिनेत्री पूनम ढिल्लों ने किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

डॉ बीके जैन को अवार्ड देतीं मशहूर अभिनेत्री पूनम ढिल्लों

चित्रकूट। पाँच दशकों से अंधत्व निवारण व मानव सेवा को समर्पित सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं निदेशक डॉ बीके जैन को विजनरी इंडियन अवॉर्ड से नई दिल्ली में आयोजित एक विशिष्ट सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

इस गरिमामयी अवसर पर गोल्डन स्पैरो संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मान स्वरूप यह पुरस्कार प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पूनम ढिल्लों ने दिया। मंच पर आयोजक संस्था के निदेशक डॉ तिलक तंवर एवं डॉ आरती मल्होत्रा विशेष रूप से मौजूद रहे। डॉ जैन को यह सम्मान देशभर में स्वास्थ्य सेवा, विशेष रूप से दृष्टिहीनता निवारण के क्षेत्र में किए गए दीर्घकालिक, दूरदर्शी और चुनौतीपूर्ण कार्यों के लिए प्रदान किया गया। उनका जीवन न केवल चिकित्सकीय सेवा का परिचायक है, बल्कि यह सामाजिक चेतना और करुणा की एक सशक्त मिसाल भी है। डॉ जैन द्वारा संचालित सद्गुरू नेत्र चिकित्सालय ने लाखों लोगों को दृष्टि प्रदान कर उनके जीवन में उजाला फैलाया है।

चित्रकूट वृद्धाश्रम में सेवा की मिशाल बुजुर्गों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

कान की मशीन से बेल्ट-स्टिक तक वितरित

अखंड भारत संदेश

वृद्ध को किट वितरित करते सेवा भारती चित्रकूट के जिला महामंत्री

चित्रकूट। सेवा भारती चित्रकूट एवं अलिम्को के संयुक्त तत्वावधान में एक सराहनीय सेवा कार्यक्रम का आयोजन चित्रकूट मुख्यालय के विनायकपुर वृद्धाश्रम में किया गया, जिसमें वृद्धजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें सहायक उपकरण वितरित किए गए।

कार्यक्रम के में सात बुजुर्गजन- राजबहादुर, रामपाल यादव, राजमनिया, कमला देवी, विजय बहादुर और राजरानी- को कान की मशीनें उपलब्ध कराई गईं। साथ ही अन्य सभी जरूरतमंद वृद्धजनों को गले, घुटने और कमर की बेल्टें तथा सहारा देने वाली स्टिक भी प्रदान की गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया जिला समाज कल्याण अधिकारी ने वृद्धजनों से हालचाल जाना और संस्थान संचालन को निर्देशित किया कि सभी बुजुर्गों की आवश्यकताओं की सूची बनाकर शीघ्रता से मुहैया कराएं।

जिला दिव्यांगजन अधिकारी श्रीमती प्रियंका यादव ने भरोसा दिलाया कि विभागीय योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध हर संभव सुविधा को बिना झिझक बताया जाए, उनका प्रयास होगा कि हर जरूरतमंद बुजुर्ग को उसका लाभ मिले। सेवा भारती चित्रकूट के जिला महामंत्री व पैरा लीगल वालंटियर राजकिशोर शिवहरे ने कहा कि वे विगत कई वर्षों से वृद्धजनों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लगातार प्रयासरत हैं। स्पष्ट किया कि संस्था की जो भी मांगें सामने आई हैं, उन्हें भरसक पूरा किया गया है और आगे भी इसी समर्पण से सेवा जारी रहेगी। इस मौके पर श्रवण एवं वाणी विशेषज्ञ विनीत पांडे ने उपस्थित बुजुर्गों को कान की मशीन के इस्तेमाल और उसकी सुरक्षा संबंधी जानकारी दी। वहीं पुनर्वास विशेषज्ञ रूपेश भगत, डी.पी. अर्रनव उत्तम, वृद्धजन और स्टाफ के अन्य सदस्य कार्यक्रम में शामिल रहे।

चित्रकूट में लोकमाता के नाम भाजपा का सांस्कृतिक शंखनाद, गूंजा संस्कृति का स्वर

- अहिल्याबाई के पदचिन्हों पर भाजपा
- 300वीं जयंती पर भाजपा की संगोष्ठी

लोकमाता अहिल्याबाई की संगोष्ठी पर बैठे भाजपाई

चित्रकूट। पुण्य श्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती वर्ष पर भाजपा की संगोष्ठी ने इतिहास व संस्कृति को एक नई चेतना दी। चित्रकूट इंटर कॉलेज के सभागार में इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे बबीना विधायक राजीव सिंह, जबकि अध्यक्षता की जिला अध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य ने। मंच पर पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्र, पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी, चंद्र प्रकाश खरे, अभियान संयोजक हरिओम करवरिया, जिला महामंत्री आलोक पांडे, मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि राजीव सिंह ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई न केवल धर्म की साधिका थीं बल्कि एक सशक्त राजनायिका भी थीं। उन्होंने मुगलों की अराजकता में मंदिरों का जीर्णोद्धार कर भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की नींव रखी। खण्ड-खण्ड भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधने का श्रेय लोकमाता को जाता है। आज जब भारत आर्थिक विकास, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर है, तो वह कहीं न कहीं लोकमाता के मार्गदर्शन की प्रेरणा से ही संभव हो पाया है।

जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य ने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा व मंदिरों के पुनर्निर्माण में लोकमाता अहिल्याबाई का योगदान अद्वितीय है। उन्होंने काशी विश्वनाथ से लेकर केदारनाथ तक तमाम पवित्र धरोहरों का पुनर्जागरण कराया, जो आज भारत की आध्यात्मिक पहचान हैं। पूर्व सांसद भैरोप्रसाद मिश्र ने कहा कि लोकमाता का जीवन स्वयं में पूजा का विषय है। उनके द्वारा किए गए कार्यों ने उन्हें जन-जन की आराध्य बना दिया है। वहीं, पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय ने लोकमाता को एक धर्म-परायण प्रशासक की संज्ञा दी जो नीति व न्याय के बल पर शासन करती थीं। संगोष्ठी का संचालन महामंत्री राजेश जायसवाल ने किया, जबकि संयोजक ब्रजेश पांडेय ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल, आनंद पटेल, जेपी मिश्र, ब्रजेश पांडेय, अश्विनी अवस्थी, अंजू वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी मौजूद रहे।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद से विदेशी धरती पर जर्मनी की पहली स्थायी सैन्य तैनाती

जर्मनी

जर्मनी ने अपनी एक बख्तरबंद ब्रिगेड, लिथुएनिया में बेलारूस के पास तैनात कर दी है. ब्रिगेड को लिथुएनिया नाम दिया गया है. लिथुएनिया की पूर्वी सीमा को नाटो का पूर्वी हिस्सा कहा जाता है.

दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह पहला मौका है जब जर्मनी, विदेशी धरती पर अपनी सेना स्थायी रूप से तैनात कर रहा है. बीते दशकों के सैन्य अभियानों के दौरान विदेशों में जर्मन सेना की अस्थायी तैनाती रही. लेकिन यह बड़ा बदलाव, यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद किया जा रहा है. जर्मनी की नई सरकार के गठबंधन समझौते में भी इसका जिक्र करते हुए लिखा गया है कि "लिथुएनिया में जर्मन ब्रिगेड की स्थायी तैनाती, नाटो के पूर्वी इलाके की रक्षा करेगी और वहां प्रतिरोधक की भूमिका भी निभाएगी." लिथुएनिया ब्रिगेड 2027 तक पूरी तरह ऑपरेशनल हो जाएगी और तब

वहां करीब 5,000 सैनिक तैनात रहेंगे.ब्रिगेड का मुख्यालय बेलारूस की सीमा के पास ही होगा.

गुरुवार को ब्रिगेड की आधिकारिक तैनाती के मौके पर जर्मनी के चांसलर फ्रीडरिष मैर्त्स और रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियुस लिथुएनिया पहुंचे. राजधानी विलनियुस में उनके सामने 800 जर्मन सैनिकों ने परेड निकाली.

यूरोप को "अपने सुकून से बाहर निकलने" की जरूरत

जर्मनी की नई सरकार ने साफ कर दिया है कि वह रूस के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाएगी. जर्मन चांसलर कार्यालय के चीफ ऑफ स्टाफ थॉर्स्टन फ्राई ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स के साथ इंटरव्यू में कहा, "हमें अपने कंफर्टजोन से बाहर निकलना ही होगा और ऐसे कदम उठाने होंगे जो वास्तविक रूप से यथास्थिति के पार जाएं." फ्राई से जब यह पूछा गया कि क्या इसका मतलब होगा कि यूरोप, रूसी गैस और यूरेनियम के आयात पर बैन लगा दे या फिर शिथिल की गई रूस की सरकारी संपत्तियों से फायदा उठाए? तो उन्होंने कहा, "ये सटीक रूप से बिल्कुल वही कदम हैं जो रूस को वाकई में तकलीफ पहुंचाएंगे और वैसा ही असर दिखाएंगे जैसा हम प्रतिबंधों से हासिल करना चाहते हैं."

हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय नेताओं की संघर्ष विराम की संयुक्त अपील को ठुकरा दिया. इसके बाद बर्लिन की लहजा सख्त होता दिख रहा है. फ्राई ने कहा, "अतीत में हम देख चुके हैं कि रूस मुख्य रूप से स्पष्ट भाषा ही स्वीकार करता और समझता है."

चांसलर मैर्त्स की पार्टी सीडीयू के नेता फ्राई ने यह भी कहा कि शांति बहाल करने में पुतिन की जरा भी दिलचस्पी नहीं है. बीते हफ्ते इस्तांबुल में यूक्रेन और रूस के अधिकारियों के बीच हुई शांति वार्ता के बावजूद वह यूक्रेन पर और भी तीखे हमले करने लगे हैं. जर्मन राजनेता के मुताबिक, यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन के सैन्य इरादे बहुत स्पष्ट हैं, "जल्द शांति के लिए यह बहुत अच्छा माहौल नहीं है."

जर्मन चांसलरी के मंत्री फ्राई ने इस बात के संकेत भी दिए कि उनका देश यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता 7 अरब डॉलर से ज्यादा कर सकता है. कितनी ज्यादा, इसका जिक्र उन्होंने नहीं किया.

सैन्य सुपरपावर बनने की तैयारी में जर्मनी

मई 2025 में जर्मन चांसलर बनने वाले फ्रीडरिष मैर्त्स ने कहा कि कानूनी रूप से संभव हो तो जर्मनी और उसके साझेदारों को यूरोप में रूस की सरकारी संपत्तियों को जब्त करना चाहिए।

मंगल मिशन की तैयारी में जुटा दक्षिण कोरिया, टास्क फोर्स का गठन कर अमेरिका से मांगा सहयोग

सोल। कोरिया एयरोस्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (केएएसए) के प्रमुख ने कहा है कि दक्षिण कोरिया ने अमेरिका के साथ मिलकर भविष्य में मंगल ग्रह पर जाने वाले मिशनों में भाग लेने की संभावना पर काम शुरू कर दिया है। इसके लिए एक खास टीम (टास्क फोर्स) बनाई गई है, जो इस दिशा में योजना बनाएगी और जरूरी तैयारियां करेगी।

योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक, यह बात एजेंसी के प्रमुख ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। यह कार्यक्रम साचियोन शहर में हुआ, जो सोल से 290 किलोमीटर दूर है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस एजेंसी की पहली सालगिरह के मौके पर आयोजित की गई थी। साचियोन में ही एजेंसी का मुख्य दफ्तर है।

केएएसए के प्रमुख यून यंग-बिन ने कहा, "अमेरिका अब अपने अंतरिक्ष बजट का ध्यान तेजी से मंगल ग्रह की ओर कर रहा है। वहां इंसानों को भेजने और उनकी मौजूदगी स्थापित करने की ठोस योजनाएं बन रही हैं। कोरिया में हमने हाल ही में सोचना शुरू किया है कि हमें इस समय क्या कदम उठाने चाहिए।"

यंग-बिन ने कहा, "हमने हाल ही में एक टास्क फोर्स गठित किया है।" यून ने कहा, "हमें ऐसी खोज योजनाएं बनानी चाहिए जो सिर्फ वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी फायदेमंद हों, ताकि निजी कंपनियां भी इसमें बड़ी भूमिका निभा सकें।"

प्रशासक ने उल्लेख किया कि ऐसे योजनाएं "रचनात्मक और नवाचारी तकनीकों के विकास का

मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं, जिन्हें अब तक उन्नत देश भी हासिल नहीं कर पाए हैं।" उन्होंने बताया कि यह टास्क फोर्स मंगल अन्वेषण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से गठित की गई है।

यून ने उम्मीद जताई कि निचली पृथ्वी कक्षा और बहुत उच्च गुणवत्ता वाले उपग्रहों जैसे अलग-अलग मॉडलों को विकसित करके दक्षिण कोरिया का उपग्रह सिस्टम और भी मजबूत बनाया जा सकता है। उनके विजन में यह भी शामिल था कि एक सौर निगरानी स्टेशन को एल4 नाम की खास अंतरिक्ष जगह पर स्थापित किया जाए, जो अभी तक पूरी तरह खोजा नहीं गया है। इसके अलावा, उन्होंने चंद्रमा पर अपना खुद का लैंडर बनाने और नई पीढ़ी की हवाई तकनीकों में आगे रहने की बात भी कही। इसके अलावा, यून ने कहा कि इस साल के अंत तक देश के अपने बनाए गए अंतरिक्ष रॉकेट 'नूरी' की तकनीक को हनव्हा एयरोस्पेस कंपनी को सौंपने का समझौता पूरा हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर सभी संबंधित पक्षों के बीच काफी हद तक सहमति बन गई है। यून ने कहा, "अब जब हस्तांतरण शुल्क और तकनीकी विवरण तय हो गए हैं, तो हम हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करेंगे।

फिनलैंड के राष्ट्रपति का दावा, 'वेटिकन अगले सप्ताह रूस-यूक्रेन शांति वार्ता की मेजबानी कर सकता है'

हेलसिंकी। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने राष्ट्रीय चैनल येल को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत अगले हफ्ते वेटिकन में हो सकती है। स्टब ने बुधवार शाम कहा कि इस बातचीत में शायद अमेरिका और यूरोप के कुछ देश भी शामिल होंगे। उन्होंने इस संभावित बैठक को यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने की कोशिशों की ओर एक अच्छा और सकारात्मक कदम बताया।

उन्होंने कहा, "यह संभव है कि अगले हफ्ते वेटिकन में यूक्रेन, रूस, अमेरिका और यूरोप के लोगों की एक बैठक हो।"

उन्होंने कहा कि शांति लाने की कोशिशों में यूरोपीय देशों की भूमिका बढ़ती जा रही है।

स्टब ने कहा, "हम अब ऐसे दौर में जा रहे हैं जहां यूरोप भी इसमें शामिल हो रहा है झ और यही हम शुरूआत से चाहते थे।"

सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्टब और कुछ दूसरे यूरोपीय नेताओं से फोन पर बात की।

नए पोप लियो क्स ने बुधवार को कहा कि वेटिकन यूक्रेन में शांति लाने की कोशिशों में मदद करने को तैयार है, जिसमें बातचीत की मेजबानी करना भी शामिल है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस कोशिश का स्वागत किया।

रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत 16 मई को इस्तांबुल में हुई थी। 19 मई को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप से फोन पर दो घंटे से ज्यादा बात की।

अमेरिका में इजरायली दूतावास के दो कर्मियों की गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन। वाशिंगटन में यहूदी संग्रहालय के पास इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी ने इस घटना की पुष्टि की है।

होमलैंड सिक्योरिटी के मुताबिक, वाशिंगटन में इजरायली दूतावास के एक पुरुष और एक महिला कर्मचारी को बुधवार रात (अमेरिकी समयानुसार) कैपिटल यहूदी संग्रहालय से बाहर निकलते समय एक अज्ञात हमलावर ने गोली मार दी।

अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने सोशल

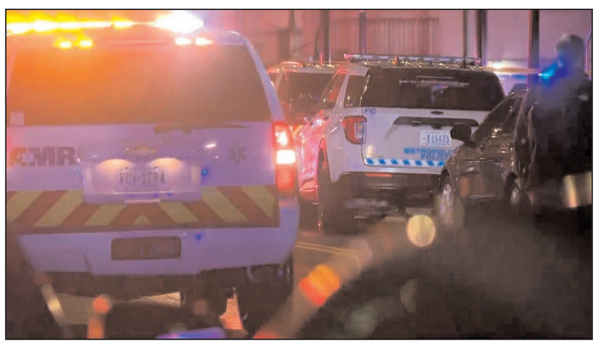

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने बताया, "इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की आज रात वाशिंगटन डीसी में यहूदी संग्रहालय के पास बेरहमी से हत्या कर दी गई। हम जांच कर रहे हैं। कृपया पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना करें। हम इस अमानवीय अपराधी को न्याय के कटघरे तक अवश्य लाएंगे।"

इस बीच, इजरायल के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत डैनी डैनन ने इस हमले को "यहूदी-विरोधी आतंकवादी घटना" करार दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, "यहूदी समुदाय को निशाना बनाना एक 'लाल रेखा' (खतरे के निशान) को पार करना है। हमें विश्वास है कि अमेरिकी अधिकारी इस अपराध के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। इजरायल अपने नागरिकों और प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता से काम करता रहेगा।"

वाशिंगटन में इजरायली दूतावास के प्रवक्ता ताल नैम कोहेन ने हत्याओं की निंदा की ।

एयर कंडीशनिंग में क्रांति ला सकती है यह नई तकनीक

ब्रिटेन

ब्रिटेन में एक नई तकनीक पर काम किया जा रहा है जिसके जरिए ऐसे एसी बनाए जा सकेंगे जिनसे धरती को गर्म करने वाली ग्रीनहाउस गैसें नहीं निकलेंगी. इसे एयर कंडीशनिंग में क्रांति कहा जा रहा है.

ब्रिटेन की एक प्रयोगशाला में एक नरम, मोम जैसे लेकिन ठोस, ठंडा करने वाले पदार्थ (रेफ्रिजरेंट) की जांच की जा रही है. कहा जा रहा है कि इसके अनोखे गुणों में एक ऐसी क्रांति की उम्मीद दिख रही है जिसके तहत ऐसे बिना ग्रीनहाउस गैसों के एयर कंडीशनिंग संभव हो सकेगी.

इस पदार्थ का तापमान में दबाव में 50 डिग्री सेल्सियस तक का अंतर लाया जा सकता है और इस समय उपकरणों में इस्तेमाल किए जाने वाले ठंडा करने वाले ठोस पदार्थों की तरह यह पदार्थ लीक नहीं होता. कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में मैटेरियल फिजिक्स के प्रोफेसर हाविएर मोया ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया, "ये ग्लोबल वॉर्मिंग को बढ़ाते नहीं हैं और साथ में संभावित रूप से ज्यादा कम बिजली में बेहतर प्रदर्शन भी दे सकते हैं."

कैसे हो रही है नए पदार्थ की तलाश

पूरी दुनिया में करीब दो अरब एसी इस्तेमाल में हैं और जैसे जैसे धरती और गर्म होती जा रही है इनकी संख्या बढ़ती जा रही है. अंतरराष्ट्रीय एनर्जी एजेंसी (आईईए) का कहना है कि लीक और ऊर्जा की खपत के अलावा इनसे जुड़ा उत्सर्जन भी हर साल बढ़ता जा रहा है.

मोया बीते 15 सालों से इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में स्थित अपनी प्रयोगशाला

में प्लास्टिक के इन क्रिस्टल्स के गुणों का अध्ययन कर रहे हैं. उनकी मेज पर एक बड़ी लाल और स्लेटी मशीन है जिसके ऊपर एक सिलिंडर लगा है. यह मशीन यह जांचती है कि दबाव पड़ने पर किसी पदार्थ का तापमान कैसे बदलता है.

लक्ष्य है पदार्थों की इस श्रेणी में सबसे अच्छे रेफ्रिजरेंट को पहचानना जिसका केमिकल उद्योग में पहले से ही इस्तेमाल हो रहा है और जिसे हासिल करना आसान हो, भले ही चुने जाने वाले क्रिस्टलों की पूरी संरचना गोपनीय रहे. यह घटना आंखों से नजर नहीं आती है लेकिन ये क्रिस्टल ऐसे कणों से बने होते हैं जो अपनी धुरी पर घूमते हैं. जब पदार्थ को दबाया जाता है तो उसका घूमना रुक जाता है और ऊर्जा गर्मी के रूप में निकल जाती है. जब उसे छोड़ दिया जाता है तो पदार्थ आसपास के वातावरण को ठंडा कर देता है. इसे "बारोकैलरिक इफेक्ट" कहा जाता है. यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में बिल्डिंग फिजिक्स के प्रोफेसर क्लिफ एल्वेल ने एएफपी को बताया, "हमें अंदेशा है कि अभी से लेकर 2050 के बीच में दुनियाभर में एयर कंडीशनिंग की मांग बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

नफरत और कट्टरता की अमेरिका में कोई जगह नहीं, इजरायली कर्मियों की हत्या पर बोले डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार देर रात (अमेरिकी समयानुसार) वाशिंगटन में कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या किए जाने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे यहूदी विरोधी कृत्य बताया है। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी के अनुसार, पीड़ित इजरायली दूतावास के एक पुरुष और एक महिला कर्मचारी हैं, जिनको अज्ञात हमलावर ने म्यूजियम से बाहर निकलते समय गोली मार दी। अधिकारियों ने हत्या की पुष्टि की और इसे यहूदी-विरोधी भावना से प्रेरित अपराध मानकर एक बहु-एजेंसी जांच शुरू की।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा, "डीसी में ये भयानक हत्याएं, जो स्पष्ट रूप से यहूदी-विरोधी हैं, इन्हें अब खत्म होना चाहिए। नफरत और कट्टरता का अमेरिका में कोई स्थान नहीं है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना। बहुत दुख की बात है कि ऐसी चीजें भी हो सकती हैं, भगवान आप सभी का भला करे।"

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी हत्याओं की निंदा की और कहा, "यह कायराना, यहूदी-विरोधी हिंसा का एक निंदनीय कृत्य था। कोई गलती न करें, हम जिम्मेदार लोगों का पता लगाएंगे और उन्हें न्याय के कटघरे में लाएंगे।" इजरायल में अमेरिकी राजदूत माइक हुकाबी ने भी घटना पर गुस्सा व्यक्त किया। उन्होंने इसे "आतंक का भयानक कृत्य" बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी शूटिंग के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंची थीं। संयुक्त राष्ट्र में इजरायली राजदूत डैनी डैनन ने इस घातक हमले को "यहूदी-विरोधी आतंकवाद का जघन्य कृत्य" करार दिया और कहा कि यहूदी समुदाय को नुकसान पहुंचाना खतरे के लाल निशान को पार करना है। उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने का भरोसा जताया और इजरायल की अपने नागरिकों व प्रतिनिधियों की वैश्विक स्तर पर रक्षा करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

पाकिस्तान ने भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को देश छोड़ने को कहा

इस्लामाबाद। भारत के दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के एक राजनयिक को देश छोड़ने का आदेश दिये जाने के 24 घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने गुरुवार को जवाबी कदम उठाते हुये यहां स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को अवांछित घोषित कर पाकिस्तान छोड़ने को कहा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार संबंधित कर्मचारी को विशेषाधिकार से विपरीत गतिविधियों में लिप्त पाया गया है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायोग के एक वरिष्ठ

अधिकारी को विदेश मंत्रालय में बुलाकर उसे सरकार के इस निर्णय से अवगत करा दिया है। इस राजनयिक को 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान छोड़ने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है।

कि भारतीय उच्चायोग का कोई भी अधिकारी उसे प्राप्त विशेषाधिकार

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

जर्मनी में सार्वजनिक और टीवी बहसों में बढ़ती बेहूदगी

जर्मनी

जर्मनी के लोगों को अब सार्वजनिक बहसें पहले से ज्यादा निरर्थक और क्रूर लगने लगी हैं. यह बात जर्मनी की योहानेस गुटेनबर्ग यूनिवर्सिटी के शोध में सामने आई है.

माइंत्स शहर में स्थित विश्वविद्यालय ने 1,203 लोगों से बातचीत करने के बाद, सर्वे के नतीजे जारी किए हैं. हर दो साल में होने वाले योहानेस गुटेनबर्ग यूनिवर्सिटी के इस शोध को समाज की अहम नब्ज के तौर पर देखा जाता है. ताजा सर्वेक्षण में शामिल हुए ज्यादातर प्रतिभागियों ने माना कि उन्हें अब सार्वजनिक बहसें पहले के मुकाबले ज्यादा अपमानजनक और कई बार अतिवादी लगने लगी हैं.

सर्वे के दौरान लोगों से टेलिफोन पर यह पूछा गया कि वे राजनीतिक टॉक शोज, राजनीतिक रैलियों और सोशल मीडिया के बारे में क्या सोचते हैं. नवंबर और दिसंबर 2024 में पूछे गए सवालों में 69 फीसदी प्रतिभागियों ने कहा कि उन्हें लगता है कि राजनीति से जुड़े या सार्वजनिक जीवन जीने वाले लोग, अपने नजरिए को लेकर ज्यादा जिद्दी हो रहे हैं. 2022 में हुए सर्वे के दौरान ऐसा जवाब देने वालों की संख्या 54 फीसदी थी.

बहस के नाम पर अपनी ही बड़ बड़

68 फीसदी लोगों ने माना कि सार्वजनिक बहसों में, दूसरों को अपनी बात पूरी करने का मौका ही नहीं दिया जाता है. 54 परसेंट लोगों ने माना कि बहसों में लगातार मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश की जाती है. करीब 44 फीसदी लोगों को लगता है कि ऐसी बहसों में जानबूझकर महत्वपूर्ण तथ्य छुपाए जाते हैं.

दुनिया के कई देशों में टीवी न्यूज चैनलों पर होने वाली बहसों में ड्रामेबाजी, चीखम-चिल्ली या नाटकीयता बढ़ती जा रही है. ऐसी बहसों के छोटे बड़े क्लिप सोशल मीडिया पर कई उद्देश्यों से शेयर किए जाते हैं. माइंत्स यूनिवर्सिटी के मुताबिक शोध में 36 फीसदी प्रतिभागियों ने कहा कि सार्वजनिक बहसों में बदमिजाजी या अपमानजनक व्यवहार दिखता है. 2022 में ऐसा मानने वालों की संख्या 21 फीसदी थी. वहीं 2022 में 18 फीसदी लोगों को लगता था कि सार्वजनिक बहसों में सामने वाले को शर्मिंदा किया जाता है या उस पर फब्तियां कसी जाती हैं. ताजा सर्वे में ऐसा मानने वालों की संख्या बढ़कर 31 प्रतिशत हो चुकी है.

राजनीति, समाज और मीडिया

शोध के लेखकों के मुताबिक, जर्मनी में मीडिया पर लोगों को भरोसा अब भी काफी हद तक बरकरार है. शोध में हिस्सा लेने वाले 18 साल से ज्यादा उम्र के 47 फीसदी प्रतिभागियों ने कहा कि वे स्थापित मीडिया संस्थानों पर भरोसा करते हैं.

पिछले सर्वे में यह संख्या 44 परसेंट थी. हालांकि स्थापित मीडिया की आलोचना करने वाले लोगों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है. शोध के लेखकों ने इसे "मीडिया को लेकर निराशावाद" करार दिया है.

भारतः टीवी चैनल पर क्यों नहीं रुक रही भड़काऊ बयानबाजी

जर्मनी समेत दुनिया कई देशों में दक्षिणपंथी राजनीति परवान चढ़ रही है. यूरोप के दक्षिणपंथी राजनेता अकसर स्थापित मीडिया संस्थानों पर वामपंथी झुकाव का आरोप लगाते हैं. सर्वे में 20 परसेंट लोग इस बयान से सहमत थे कि, "जर्मनी में मीडिया अभिव्यक्ति की आजादी को कमजोर कर रहा है."

"झूठ बोलने वाली प्रेस" यह भावना भी मजबूत हो रही है. पांच में से एक व्यक्ति (20 फीसदी) ने माना कि मीडिया व्यवस्थित तरीके से जनता से झूठ बोलता है. दो साल के शोध में पहले ऐसा सोचने वालों आंकड़ा 14 परसेंट था।